पटना ● शनिवार, 14 सितम्बर 2024 मूल्यः 5:00, पृष्ठः 8 वर्षः 5, अंकः245 www. bordernewsmirror@gmail.com ☎ 9471060219, 9470050309

BORDER NEWS MIRROR BNM to the point...

राष्ट्रीय द्विभाषिक समाचार पत्र

RNI N.- BIHBIL/2022/88070

बॉर्डर न्यूज मिरर

"खबरों से समझौता नहीं"

श्रम विभाग की टीम ने बाल श्रमिकों... 3 www. bordernewsmirror.com हिंदी फिल्मों में फिर से... 8

ज्ञानवापी केस में हिंदू पक्ष को लगा तगड़ा झटका

● तहखाने की छत पर होती रहेगी नमाज, कोर्ट ने मरम्मत पर लगाई रोक

वाराणसी (एजेंसी)। काशी विश्वनाथ मंदिर से सटे ज्ञानवापी मस्जिद को लेकर चल रहे कानूनी केस में हिंदू पक्ष को तगड़ा झटका लगा है। वाराणसी कोर्ट ने शुक्रवार को मामले की सुनवाई करते हुए व्यास तहखाने की छत पर नमाज पढ़ने वालों की रोक लगाने संबंधी याचिका को खारिज कर दिया है। मतलब कि नमाज के लिए मुस्लिम इकट्ठा होते रहेंगे। इसके साथ ही कोर्ट ने तहखाने में मरम्मत कराने की इजाजत देने से भी इनकार कर दिया है। सिविल जज सीनियर डिवीजन हितेश अग्रवाल की कोर्ट ने ज्ञानवापी मामले में तहखाने में चल रही पूजा को यथावत रखते हुए तहखाने के कस्टोडियन डीएम वाराणसी को किसी भी प्रकार की मरम्मत का आदेश देने से इनकार कर दिया।

कोलकाता में जारी है संग्राम, बुरी फंसी ममता

मीटिंग हो गई फेल, तीसरे दिन भी डटे रहे डॉक्टर

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल में कोलकाता के सरकारी आरजी कर अस्पताल मामले को लेकर जारी गतिरोध को सुलझाने के लिए जूनियर डॉक्टर और मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की सरकार के बीच एक दिन पहले प्रस्तावित बैठक विफल हो चुकी है। इसके बाद प्रदर्शनकारियों ने राज्य के स्वास्थ्य भवन के बाहर शुक्रवार को लगातार तीसरे दिन भी धरना जारी रखा और काम बंद रखा। महिला चिकित्सक और उनके परिजनों को न्याय दिलाने सहित अन्य मांगों को लेकर प्रदर्शन में शामिल 26 मेडिकल कॉलेजों से लगभग 30 चिकित्सक बैठक के लिए नबान्न (राज्य सचिवालय) पहुंचे थे, लेकिन राज्य सरकार द्वारा वार्ता के सीधे प्रसारण संबंधी उनकी मांग को नहीं मानने के कारण चिकित्सकों ने बैठक से इनकार कर दिया था। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने कहा कि जूनियर चिकित्सकों के साथ बैठक का सीधा प्रसारण नहीं किया जा सकता, जैसा कि उनकी मांग है क्योंकि यह मामला उच्चतम न्यायालय में विचाराधीन है। उन्होंने कहा कि उनकी सरकार ने इसे रिकॉर्ड करने और जरूरत पड़ने पर न्यायालय की

अनुमति से रिकॉर्डिंग उन्हें (जूनियर डॉक्टरों को) सौंपने की व्यवस्था की है। प्रदर्शनकारी चिकित्सकों ने कहा कि 'स्वास्थ्य भवन' के बाहर उनका धरना तब तक जारी रहेगा जब तक पुलिस आयुक्त, स्वास्थ्य सचिव, स्वास्थ्य सेवा निदेशक और चिकित्सा शिक्षा निदेशक को निलंबित करने सहित प्रमुख मांगें पूरी नहीं हो जातीं। जूनियर चिकित्सकों के संगठन के एक सदस्य ने कहा, हम अपना काम फिर से शुरू करना चाहते हैं, लेकिन तब तक शुरू नहीं करेंगे जब तक हमारी मांगें पूरी नहीं हो जातीं।

सरकार ने बार-बार चिकित्सकों से काम पर लौटने का आग्रह किया

राज्य सरकार और मुख्यमंत्री ने बार-बार चिकित्सकों से काम पर लौटने का आग्रह किया है। पश्चिम बंगाल सरकार और चिकित्सकों के बीच गुरुवार को वार्ता नहीं हो सकी। प्रदर्शनकारियों ने कहा कि वे अब भी बैठक को तैयार हैं लेकिन वार्ता पूरी तरह से पारदर्शी तरीके से होनी चाहिए, जो तभी संभव है जब बैठक का सीधा प्रसारण किया जाए। चिकित्सकों ने कहा कि कई लोगों ने प्रदर्शनकारियों के साथ एकजुटता दिखाई है। उन्होंने दुर्गा पूजा उत्सव के अपने बजट में कटौती कर हमें भोजन और अन्य सामग्री पहुंचाई या फिर अपना जन्मदिन प्रदर्शनकारियों के साथ मनाकर अपनी एकजुटता प्रदर्शित की।

मंडी में मस्जिद की 2 अवैध मंजिल तोड़ने के आदेश

नगर निगम कमिश्नर कोर्ट ने 30 दिन का समय दिया, हिंदू संगठनों का प्रदर्शन

मंडी (एजेंसी)। हिमाचल के मंडी शहर में मस्जिद की दो अवैध मंजिलें 30 दिन में गिरानी होंगी। नगर निगम आयुक्त एचएस राणा की कोर्ट ने शुक्रवार को यह फैसला सुनाया। तीस साल पुरानी 3 मंजिला यह मस्जिद शहर के जेल रोड पर है। आरोप है कि इसकी 2 मंजिल अवैध रूप से बनाई गई थीं। अब इन्हें तोड़ा जाएगा। वहीं नगर निगम आयुक्त कोर्ट में जिस वक्त मस्जिद में अवैध निर्माण मामले में सुनवाई चल रही थी तब हिंदू संगठनों ने प्रदर्शन किया। पुलिस ने मस्जिद के आसपास बैरिकेडिंग कर दी थी। प्रदर्शनकारियों को रोकने के लिए वॉटर कैनन का इस्तेमाल किया। पुलिस और प्रदर्शनकारियों में धक्का-मुक्की हुई। प्रदर्शन कर रहे लोगों ने हनुमान चालीसा का पाठ किया। उधर, शिमला की पांच मंजिला संजौली मस्जिद को लेकर भी विवाद बना हुआ है। आरोप है कि मस्जिद की 3 मंजिल अवैध हैं। इसके खिलाफ यहां भी स्थानीय लोग पिछले 15 दिन से प्रदर्शन कर रहे हैं। प्रशासन द्वारा मंडी शहर के सात वार्डों में लागू धारा 163 (पूर्व में धारा 144) के बावजूद प्रदर्शनकारी 11 बजे से सेरी मंच के पास जुटने शुरू हुए और नारेबाजी करने लगे। पुलिस प्रशासन ने विवादित मस्जिद स्थल पर कड़ा पहरा लगाया है और बेरिकेडिंग की है।

बाहरी राज्यों से आने वाले विशेष समुदाय के लोगों पर नजर

मंडी के डीसी अपूर्व देवगन ने कहा कि जेल रोड पर बनी मस्जिद मामले में एनएम आयुक्त कोर्ट का फैसला आया है। मुस्लिम पक्ष 30 दिनों के अंदर अपील कर सकेगा। बाहरी राज्यों से आने वाले विशेष समुदाय के लोगों पर भी निगरानी रखी जा रही है। जो अवैध निर्माण हुआ है कुछ इन्होंने खुद हटा दिया है। हिमाचल प्रदेश के सीएम सुखविंदर सिंह सुक्खू ने कहा कि मंडी में अवैध निर्माण की बात सामने आई है। मस्जिद विवाद को लेकर कमेटी बनेगी। यह शांति प्रिय राज्य है, जहां सभी धर्मों का सम्मान होता है। किसी भी धर्म और जाति को ठेस नहीं पहुंचाई जाएगी। हमारी सरकार कानून के अनुसार कार्रवाई करेगी। अवैध निर्माण स्वीकार्य नहीं है, लेकिन अवैध निर्माण को लेकर भी कानून के दायरे में कार्रवाई होगी।

प्रदर्शनकारी मस्जिद स्थल की ओर कूच करने के लिए बैरिकेड पर चढ़ गए तो पुलिस ने उन्हें रोकने के लिए वाटर कैनन का इस्तेमाल किया। प्रदर्शनकारियों की पुलिस के साथ धक्का-मुक्की भी हुई। मंडी के डीसी व एसपी भी मौके पर मौजद हैं। प्रदर्शनकारियों को काबू करने की कोशिश की जा रही है। समाचार लिखे जाने तक प्रदर्शनकारी वहीं जमे हुए हैं और नारेबाजी कर रहे हैं। मंडी शहर में जेल रोड के पास स्थित यह मस्जिद लगभग तीन दशक पुरानी है। मामले के अनुसार मस्जिद के आगे लोक निर्माण विभाग की जमीन पर अवैध तौर पर मस्जिद की सुरक्षा दीवार बना दी गई है। इस पर स्थानीय लोग भड़के हुए हैं। शिमला के संजौली में हुए प्रदर्शन को देखते हुए मुस्लिम समुदाय के लोगों ने गुरुवार से मंडी में मस्जिद की अवैध सुरक्षा दीवार को खुद ही गिराना शुरू कर दिया। इसे लेकर नगर निगम मंडी की कोर्ट में मामला विचाराधीन है। नगर निगम कोर्ट ने फैसला सुनाते हुए मस्जिद के अवैध हिस्से को गिराने के आदेश दिए हैं।

फरीदाबाद से हिसार तक बागियों से टेंशन में भाजपा

● कई सीटों पर अपनों से ही हो रहा मुकाबला, डैमेज कंट्रोल शुरू

चंडीगढ़ (एजेंसी)। हरियाणा विधानसभा चुनाव के लिए गुरुवार को नामांकन का आखिरी दिन था। भाजपा ने आखिरी दिन महेंद्रगढ़ विधानसभा सीट पर रामबिलास

शर्मा को नामांकन वापस लेने के लिए राजी कर लिया। रामबिलास शर्मा ने बेहद भावुक माहौल में नामांकन वापस लेने का ऐलान किया और कहा कि मेरी जिंदगी के 10 या 15 साल ही बचे हैं। अब मैं पार्टी के झंडे में ही लिपटकर मरना चाहता हूं। मुझे पार्टी से अलग नहीं होना है लेकिन रामबिलास शर्मा के अलावा भाजपा किसी अन्य नेता को साध नहीं सकी।

अब सीपीएम में हावी होगी केरल लॉबी !

एमए बेबी ले सकते हैं सीताराम येचुरी की जगह

नई दिल्ली (एजेंसी)। सीपीएम के दिग्गज नेता और महासचिव सीताराम येचुरी का निधन हो गया है। उनकी मौत के साथ ही वामपंथी राजनीति ने एक बड़े नेता को खो दिया है। येचुरी की मौत के बाद सीपीएम के लिए उनका विकल्प खोजना भी एक चुनौती होगा। सीताराम येचुरी केरल से लेकर दिल्ली तक एक चर्चित चेहरा थे और राष्ट्रीय राजनीति में वामपंथी दलों की प्रासंगिकता के लिहाज से उनकी अहमियत थी। ऐसे में सीपीएम में उनके विकल्प की खोज चल रही है। सूत्रों के अनुसार अगले एक सप्ताह के भीतर सीताराम येचुरी के

उत्तराधिकारी को लेकर फैसला लिया जा सकता है। सीताराम येचुरी का कार्यकाल अगले साल अप्रैल में ही समाप्त होने वाला था। इसके बाद यूं भी किसी और नेता को चुना जाना था, लेकिन अब उससे पहले ही इस पर मंथन करना होगा। अब तक जिन नामों की चर्चा हो रही है, उनमें केरल के एमए बेबी और ए. विजयराघवन के नाम आगे चल रहे हैं। वहीं पोलित ब्यूरो के कुल 17 मेंबरों में वृंदा करात, प्रकाश करात और माणिक सरकार जैसे नेता भी हैं, जिनकी उम्र अब 75 से अधिक है। सीपीएम में यह नियम भी बताया जाता है कि 75 साल से अधिक आयु के नेताओं को संगठन की जिम्मेदारी नहीं मिलनी चाहिए।

हिंदू एकजुट रहे तो न कोई गौरी आएगा न मुगल

● गिरिराज बोले-मोदी सीजेआई के घर गए तो राहुल-अखिलेश को हो रही तकलीफ

प्रयागराज (एजेंसी)। केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने प्रयागराज में कहा- पीएम मोदी सीजेआई के घर गणेश पूजन में गए तो टुकड़े-टुकड़े गैंग को अच्छा नहीं लगा। ये टोपी पहनने के लिए हामिद के यहां जाएंगे तो अच्छा लगता है। अगर आतंकवादियों के लिए रात में कोर्ट के दरवाजे खुलता है तो केजरीवाल, अखिलेश यादव और राहुल गांधी को अच्छा लगेगा। मगर जज के यहां कोई गणेश पूजन के लिए जाए तो इन्हें तकलीफ होती है। गिरिराज सिंह ने अखिलेश यादव पर हमला बोला। कहा- उन्हें क्रिमिनल में भी जाति दिखाई पड़ती है। उन्होंने गुंडागर्दी को बढ़ावा दिया। उन्होंने बस जाति देखी। योगी जी को क्रिमिनल में क्रिमिनल दिखता है। यही अंतर है योगी और अखिलेश में। अगर हिंदी एक रहे तो यहां न कोई गौरी आएगा न ही मुगल।

मैं पीएम मोदी से ज्यादा अंतर से जीता हूं लोकसभा चुनाव

● रिहाई के दूसरे ही दिन राशिद इंजीनियर ने फिर बोला हमला

श्रीनगर (एजेंसी)। जम्मू और कश्मीर से निर्दलीय सांसद शेख अब्दुल राशिद उर्फ इंजीनियर राशिद ने एक बार फिर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर निशाना साधा है। राशिद का कहना है कि उन्होंने पीएम मोदी से ज्यादा अंतर से लोकसभा चुनाव जीता है। इधर, क्षेत्र की दो प्रमुख पार्टियां नेशनल कॉन्फ्रेंस और पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी राशिद की रिहाई को लेकर भारतीय जनता पार्टी को घेर रही हैं। राशिद हाल ही में तिहाड़ जेल से करीब 5 साल की सजा काटने के बाद बाहर आए हैं। उन्होंने लोकसभा चुनाव में जीत पर भी बात की।

खालिस्तान समर्थक सांसद अमृतपाल के रिश्तेदारों पर रेड

एनआईए ने चाचा-चाची को बुलाया चंडीगढ़, कनाडा में भारतीय उच्चायोग पर हमले के खिलाफ कार्रवाई

अमृतसर (एजेंसी)। पंजाब में शुक्रवार सुबह 6 बजे नेशनल इन्वेस्टीगेशन एजेंसी (एनआईए) ने रेड की। अमृतसर में खालिस्तान समर्थक और खडूर साहिब से सांसद अमृतपाल सिंह के रिश्तेदरों के घरों में टीम ने दबिश दी। रईया में फेरूमन रोड पर अमृतपाल सिंह के चाचा प्रगट सिंह के घर पहुंची। टीम ने प्रगट सिंह की पत्नी को हिरासत में लिया है। अधिकारी उन्हें अपने साथ ब्यास थाना लेकर पहुंचे, जहां तकरीबन 3 घंटे पूछताछ की गई। अमृतपाल सिंह के चाचा प्रगट सिंह फर्नीचर का काम करते हैं। तकरीबन 1 बजे ब्यास थाने से छूटने के बाद अमृतपाल

सिंह चाची ने जानकारी दी कि उन्हें व प्रगट सिंह को 26 सितंबर को चंडीगढ़ पूछताछ के लिए बुलाया है। उन्होंने बताया कि बीते साल प्रगट सिंह पर कोई मामला दर्ज हुआ था, उसे लेकर ही ये रेड की गई है। दूसरी रेड अमृतसर में सठियाला के पास बुताला में अमृतपाल के जीजा के घर हुई। इसके साथ टीम ने अमृतपाल के जीजा के बहनोई के घर भी छापेमारी की। तीनों ही रेड अमृतपाल से जुड़ी हुई हैं। एनआईए ने ये रेड कनाडा में खालिस्तान समर्थकों के भारतीय उच्चायोग पर 23 मार्च 2023 को किए गए हमले को लेकर की। दरअसल, अमृतपाल सिंह की गिरफ्तारी के बाद कनाडा, अमेरिका और ब्रिटेन में भारतीय उच्चायोगों के बाहर खालिस्तानियों ने प्रदर्शन किया था।

अमृतपाल की टीम ने लगाए तंग करने के आरोप

रिश्तेदारों के घर रेड के बाद सांसद अमृतपाल सिंह की टीम भी एक्टिव हो गई। उन्होंने केंद्र व राज्य सरकार पर आरोप लगाए हैं। अमृतपाल सिंह की टीम के सदस्य चरणदीप ने कहा कि जब से बाबा बकाला साहिब में रखड़ पूनिया पर अमृतपाल सिंह के समर्थकों की तरफ से स्टेज सजाई गई है। तब से केंद्र व राज्य सरकारें घबरा गई हैं। आज अमृतपाल सिंह के चाचा, जीजा और अन्य रिश्तेदार के घर रेड की गई है और उन्हें नाजायज परेशान किया गया है। लोकसभा चुनाव में अमृतपाल सिंह 1.97 लाख वोटों से जीते हैं।

यूक्रेन पर फिर आमने-सामने आए रूस और अमेरिका

● मिसाइल बैन हटा सकता है अमेरिका, पुतिन ने कहा- हम जवाब देंगे

मास्को (एजेंसी)। यूक्रेन को रूस में दूर तक हमला करने वाली मिसाइलों के इस्तेमाल की इजाजत मिल सकती है। एजेंसी के मुताबिक अमेरिका और ब्रिटेन इस पर विचार कर रहे हैं। अब तक इस पर प्रतिबंध लगा हुआ था, लेकिन यूक्रेन पर लगी ये पाबंदी अब हट सकती है। रिपोर्ट के मुताबिक रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने कहा है कि ऐसे हथियारों के इस्तेमाल करने की इजाजत देने

का मतलब यह समझा जाएगा कि नाटो, रूस के खिलाफ जंग में उतर चुका है। उन्होंने कहा कि अगर ऐसा होता है तो वे इसका जवाब जरूर देंगे। पुतिन बोले- अमेरिका ने अनुमति दी तो बहुत कुछ बदल जाएगा पुतिन ने एक सरकारी टीवी चैनल पर कहा कि इससे बहुत कुछ बदल जाएगा। उन्होंने कहा कि इन हथियारों का इस्तेमाल सैटेलाइट के बिना संभव नहीं है। यूक्रेन के पास ऐसी तकनीक नहीं है। यह केवल यूरोपीय यूनियन के सैटेलाइट या फिर अमेरिकी सैटेलाइट की मदद से ही हो सकता है। पुतिन ने आगे कहा कि सिर्फ नाटो सैन्यकर्मी ही इन मिसाइल सिस्टम का इस्तेमाल करने के लिए ट्रेंड हैं। यूक्रेनी सैनिक ऐसा नहीं कर सकते। इसलिए, सवाल इन हथियारों से रूस पर हमला करने की अनुमति देने या न देने का नहीं है।

अब बारिश पर भी लगेगा ब्रेक! आ रही नई तकनीक

भारतीय वैज्ञानिकों का कमाल, मौसम जीपीटी भी होगा लॉन्च

नई दिल्ली (एजेंसी)। अब तक सूखे की मार पड़ने या फिर भीषण गर्मी से बचाव के लिए बारिश कराने की तकनीक पर चर्चा होती रही है। भारत, चीन समेत दुनिया के कई देशो ने इसमें महारत भी हासिल कर ली है। यही नहीं अब भारतीय वैज्ञानिक इससे भी एक कदम आगे बढ़ते हुए बारिश को रोकने की भी तकनीक ईजाद करने की ओर हैं। इसके तहत उन शहरों में बारिश को रोकने या टालने की कोशिश की जाएगी, जहां कोई बड़ा आयोजन होना हो या फिर स्वतंत्रता दिवस जैसा अवसर हो। इसके अलावा बार बारिश के चलते बाढ़ जैसे हालात शहरों में बन जाते हैं। इस तकनीक में सफलता मिलने पर उन हालातों को टाला जा सकेगा। इस संबंध में अर्थ एंड साइंस मिनिस्ट्री से जुड़े वैज्ञानिक काम कर रहे हैं। टाइम्स ऑफ इंडिया की रिपोर्ट के अनुसार अगले एक से डेढ़ साल में इस दिशा में कुछ ठोस प्रगति हो सकती है। इसके तहत कहीं बारिश कराई जा सकेगी और जरूरत पड़ने पर बारिश को टाला भी जा सकेगा। इस तकनीक को मौसम जीपीटी कहा जा रहा है। यही नहीं मौसम की भविष्यवाणी को और सटीक करने की दिशा में भी वैज्ञानिक काम कर रहे हैं। यदि ऐसी तकनीक में भारत को महारत मिली तो वह दुनिया में एक बड़ी सफलता हासिल कर लेगा और मौसम से जुड़े बदलावों को नियंत्रित करने में वह अन्य मुल्कों के मुकाबले एक कदम आगे होगा। माना जा रहा है कि इससे बादल फटने जैसी घटनाओं से भी बचाव में मदद मिलेगी। अगले 5 साल में भूगर्भ विज्ञान मंत्रालय एक चैट जीपीटी की तर्ज पर ऐसा ऐप तैयार करने जा रहा है, जिससे मौसम की जानकारियां आसानी से मिल सकेंगी। इस ऐप का नाम मौसम जीपीटी रखा जाएगा।

दिल्ली की शराब नीति केस में केजरीवाल को मिली जमानत

● 177 दिन बाद जेल से आए बाहर कार्यकर्ताओं में खुशी की लहर

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली शराब नीति से जुड़े सीबीआई केस में मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को शुक्रवार को जमानत मिल गई। केजरीवाल 177 दिन बाद जेल से बाहर आए। अदालत ने जमानत के लिए वही शर्तें लगाई हैं, जो ईडी केस में बेल देते वक्त लगाई गई थीं। केजरीवाल के खिलाफ 2 जांच एजेंसी ने केस दर्ज किया है। ईडी मामले में उन्हें सुप्रीम कोर्ट से 12 जुलाई को जमानत मिली थी। एएपी ने इस फैसले को सत्य की जीत बताया है। शराब नीति केस में एन्फोर्समेंट डायरेक्टोरेट (ईडी) ने उन्हें 21 मार्च को अरेस्ट किया था। बाद में 26 जून को सीबीआई ने उन्हें जेल से हिरासत में लिया था। सुप्रीम कोर्ट ने अरविंद केजरीवाल को जमानत देने के साथ ही कई शर्तों भी लगाई हैं। इस दौरान अरविंद केजरीवाल सीएम दफ्तर नहीं जा सकेंगे।

बिहार में पांच लाख गाड़ियां डिफॉल्टर, एक हजार करोड़ बकाया

मुजफ्फरपुर। बिहार में टैक्स डिफॉल्टर वाहनों की संख्या पांच लाख से अधिक हो गई है। इन पर राज्य सरकार का लगभग एक हजार करोड़ रुपये टैक्स बकाया है। दो वर्ष पहले तक इनकी संख्या लगभग चार लाख थी। परिवहन विभाग अब कार्रवाई के मूड हैं लेकिन इन्हें सरकार टैक्स जमा करने का अवसर दे रही है। उन्हें टैक्स में राहत भी मिलेगा। कहा गया है कि वाहन मालिक इसका लाभ उठाकर बकाया टैक्स का भुगतान कर दें। परिवहन विभाग ने इसके लिए उन्हें 31 मार्च 2025 तक की मोहलत दी है। कैबिनेट ने भी इस पर सहमति दे दी है। सूबे में निबंधित एवं विभिन्न कारणों से कर प्रमादी (टैक्स डिफॉल्टर) होने वाले सभी वाहनों को राहत दी जाएगी। ऐसे परिवहन या गैर परिवहन वाहन, ट्रैक्टर-ट्रैलर, बैट्री चालित यान को बकाया रोड टैक्स, हरित कर एक मुश्त जमा करने पर अर्थदंड से मुक्ति या दंड में कमी का लाभ मिलेगा। इस में प्रावधान किया गया है कि वाहन व्यावसायियों द्वारा बकाये व्यापार कर और अस्थायी निबंधन की फीस एक मुश्त जमा करने पर उन्हें भी छूट का लाभ मिलेगा। इस निर्धारित अवधि में टैक्स जमा नहीं करने वाले वाहन मालिकों को टैक्स पर 200 से 300 फीसदी का अतिरिक्त दंड देना पड़ेगा। डिफॉल्टर वाहनों का कर एवं अर्थदंड नहीं जमा करने पर जिला

परिवहन पदाधिकारी कार्रवाई करेंगे। इन वाहनों से कर एवं अर्थदंड की वसूली के लिए सभी जिलों में जिला परिवहन पदाधिकारी, एमवीआई और ईएसआई विशेष अभियान चलाएंगे। डिफॉल्टर वाहन मालिक के खिलाफ नीलाम पत्रवाद भी दायर होगा और कर वसूली भी होगी। वाहन भी जब्त हो सकते हैं।

एकमुश्त 30 हजार जमा करने पर अर्थदंड से सर्वक्षमा : जिन टैक्स डिफॉल्टर टैक्टर-ट्रेलर का पथकर बकाया है उन्हें एकमुश्त 30 हजार रुपए जमा करने पर शेष देय कर, अर्थदंड से सर्वक्षमा दी जाएगी। वहीं टैक्स डिफॉल्टर सभी प्रकार के अस्थायी निबंधन सहित तमाम निबंधित वाहन और टैक्टर-ट्रेलर एवं उत्सर्जन मानक के अनिबंधित वाहनों को छोड़कर अन्य सभी प्रकार के अनिबंधित वाहन, इलेक्ट्रिक वाहन का पथ कर बकाया उन्हें देय मूल पथकर एवं 30 प्रतिशत अर्थदंड जमा करने पर शेष अर्थदंड से मुक्ति दी जाएगी।

अस्थायी निबंधन फीस जमा करने पर अर्थदंड नहीं : टैक्स डिफॉल्टर सभी प्रकार के वाहन जिनका हरित कर बकाया है, उन्हें देय मूल हरित कर एवं 30 प्रतिशत अर्थदंड जमा करने पर शेष अर्थदंड से विमुक्ति मिलेगी। बिना अस्थायी निबंधन के बेचे गये वाहन जिनका अस्थायी निबंधन की फीस बकाया है।

संक्षिप्त समाचार

दर्जनों महिलाओं से 40 लाख से अधिक की ठगी

किशनगंज। किशनगंज सदर प्रखंड के बेलवा में दर्जनों महिलाओं से लगभग 40 से 50 लाख रुपए तक की ठगी का मामला सामने आया है। जहां एक महिला सभी से ठगी कर फरार हो गई। घटना सामने आने के बाद से शहर में चर्चा का विषय बन गया। सभी महिलाएं मामले को लेकर गुरुवार को पूर्व जेडीयू विधायक मुजाहिद आलम के आवास पर पहुंची और घटना के बारे में बताया। पीड़ित महिलाओं ने बताया कि गांव की ही एक महिला शमसा बेगम ने उनसे प्रधानमंत्री ग्रामीण आवास योजना के मरम्मती का रूपया मिलने के नाम पर उनका आधार कार्ड लिया था, जिसे बाद में लौटा दिया गया। कुछ दिन बाद ही बैंक के रिकवरी एजेंट का फोन आने लगा कि आपके लोन का रुपया बकाया है। महिलाओं ने जब पता किया तो उनके ऊपर लाखों रुपए का कर्ज जो की उन्होंने लिया ही नहीं है। उक्त महिलाएं काफी गरीब है और अब बैंक एजेंट के जरिए महिलाओं को बताया गया कि किसी के ऊपर 40 हजार का तो किसी के ऊपर एक लाख का कर्ज है। ये सुनकर सभी महिलाएं काफी परेशान हैं और उनका रो रोकर बुरा हाल है. वार्ड सदस्य गुलाब साह ने बताया कि एजेंट की मिलीभगत से सारे खेल को अंजाम दिया गया है। उन्होंने कहा कि थाना में आवेदन दिया गया था, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई है।

नेपाल में बना 17.50 लाख का प्रोडक्ट पटना में बरामद

पटना। पटना में सीमा शुल्क की टीम ने बड़ी कार्रवाई की है। टीम ने पटना के जीरो माइल से 17.50 लाख का विदेशी सामान जब्त किया है। सीमा शुल्क ने गुप्त सूचना के आधार पर यह छापेमारी की है। सीमा शुल्क पटना की टीम ने जीरो माइल पर छापेमारी कर करीब 17 लाख 50 हजार का विदेशी सामान जब्त किया है। जब्त सामान नेपाल में बना हुआ है। जब्त सामान में ग्लो एडं लवली, वेसलीन डीप मौसचराइचर और क्लोज़अप है। सभी सामान यूनिलीवर नेपाल लिमिटेड नेपाल में बनाता है। इन सभी प्रोडक्ट पर नेपाल का दाम लिखा हुआ है। साथ ही उन्हें सिर्फ नेपाल में ही बेचने की इजाजत है, लेकिन नेपाल से यह सामान तस्करी कर पटना लाया गया था। इसे पटना में ही कहीं खपाना था। आयुक्त सीमा शुल्क (निवारण) डॉ. यशोवर्धन पाठक ने बताया कि तस्करी के खिलाफ व्यापक अभियान चलाया जा रहा है। यह कई दिनों से चल रहा है। इसी ऑपरेशन में मोतिहारी में भी विदेशी सामान बरामद किया गया था। तस्कर पूर्वोतर क्षेत्र से ट्रेन, बस या अन्य माध्यमों से अवैध तरीके से तस्करी कर विदेशी समानों को पटना लाती है। यहां से सामान कई जगह भेज दिया जाता है।

साइकिल चोरी के आरोप में चोर को बांधकर पीटा

अररिया। अररिया के पलासी थाना क्षेत्र के पलासी बजार में एक युवक को चोरी के आरोप में पकड़ कर स्थानीय दुकानदारों ने उसे बिजली के खंभे से बांधकर पिटाई कर दी। जिसका विडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल होने पर पलासी थाना पुलिस ने बंधक बनाकर चोर के साथ मारपीट करने वाले आरोपियों के विरुद्ध मामला दर्ज कर मुख्य आरोपी मो निसार को गिरफ्तार कर लिया है। इसके साथ ही अन्य आरोपियों की पहचान और गिरफ्तारी को लेकर जांच की जा रही है। मामले को लेकर अररिया एसपी कार्यालय से प्रेस रिलीज जारी की गई। जिसमें बताया गया कि 11 सितंबर को रात करीब- 9 बजे पलासी थाना क्षेत्र के पलासी बाजार मे एक युवक को चोरी के आरोप में कुछ लोगों एक युवक को पकड़ लिया। जिसके बाद उसे खंभे से बांधकर जमकर मारपीट की गई। इस मामले में वीडियो सामने आने के बाद मामला पलासी थाने केस दर्ज किया गया। मामले में कार्रवाई करते हुए पलासी थाना के पुलिस पेट्रोलिंग टीम ने मौके पर पहुंची और बंधक बनाए गए युवक मो0 नौसर, को मुक्त कराया। वहीं उससे पूछताछ में पता चला की मोहम्मद नौसर ने 10 सितंबर को एक कपड़ा दुकान के स्टाफ की कुछ दिन पहले साइकिल चोरी की थी। जिसका सीसीटीवी फुटेज देख उसकी पहचान कर लिया गया। 11 सितंबर को आरोपी नौसर फिर वहां पहुंचा जहां उसे देखकर दुकानदारों ने पकड़ कर लिया और मारपीट करते हुए बिजली के खंभे से बांधकर अमानवीय कृत किया गया। जिसके बाद अमानवीय कृत करने वाले आरोपियों के विरुद्ध पलासी थाना अंतर्गत कांड दर्ज कर मुख्य आरोपी मो निसार को गिरफ्तार कर लिया गया है।

सबौर के पुरानी मसाढू में ग्रामीण पीसीसी सड़क का कटाव जारी

भागलपुर, एजेंसी। सबौर प्रखंड क्षेत्र के ममलखा पंचायत स्थित पुरानी मसाढू वार्ड नंबर एक और दो में गंगा कटाव जारी है। बुधवार की देर रात ग्रामीण पीसीसी सड़क लगभग 50 फीट तक गंगा कटाव में समा गई। इसके अलावा गुरुवार को भी रुक-रुक कर दोनों वार्ड में कटाव जारी रहा। अब तक दोनों वार्ड में लगभग 300 फीट से अधिक ग्रामीण पीसीसी सड़क गंगा कटाव में समा चुकी है। आंगनबाड़ी केंद्र भवन भी कटाव की चपेट में आ गया। वहीं 150 फीट लंबा 100 फीट चौड़ा खेत भी कट चुका है। बाढ़ नियंत्रण विभाग की ओर से गंगा कटाव रोधी काम करवाई जा रही है, लेकिन कटाव रुकने का नाम नहीं ले रहा है। पुरानी मसाढू निवासी वार्ड सदस्य अनिल कुमार ने कहा कि गंगा कटाव लगातार जारी है। ग्रामीण सड़क के साथ-साथ खेत भी कट चुकी है। अब गांव के कई घर कटाव की जद में हैं। भागलपुर प्रमंडलीय बाढ़ नियंत्रण विभाग के कनिय अभियंता आलोक कुमार ने कहा कि कटाव कम हो रही है।

अब गंगा के रास्ते जाइए विदेश

पटना के राजमहल क्रूज का लीजिए मजा, कई सुविधाओं से है लैस

पटना सिटी, एजेंसी। पांच सितारा होटल जैसी सुविधाओं और भारतीय संस्कृति एवं कलाकृति से सुसज्जित विशालकाय क्रूज कोलकाता से आठ विदेशी पर्यटकों को लेकर गंगा के रास्ते गुरुवार को पटना पहुंचा। इसे गायघाट स्थित भारतीय अंतरदेशीय जलमार्ग प्राधिकरण के बंदरगाह के पूरब कंगन घाट के समीप बीच गंगा में रोका गया। इनमें से दो पर्यटक पटना में उतर गए।

शुक्रवार को पटना से इस क्रूज पर बेलजियम, यूएसए, न्यूजीलैंड, फ्रांस, आस्ट्रेलिया के 16 पर्यटक सवार होकर जलमार्ग से बनारस के लिए रवाना होंगे। इन विदेशी मेहमानों को मार्ग में कई जगहों पर उतार कर बिहार के इतिहास, लोक कला, परंपरा, संस्कृति तथा धार्मिक महत्व वाले स्थलों का भ्रमण कराया जाएगा।

आइडब्लूएआइ के मुख्य अभियंता सह निदेशक एल के रजक ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की महत्वाकांक्षी योजना के तहत गंगा में विकसित हुए जलमार्ग संख्या एक में यात्री एवं मालवाहक जहाजों का परिचालन बढ़ा है। देश-विदेश के पर्यटक अब गंगा के रास्ते बिहार पहुंच कर यहां की ऐतिहासिकता एवं संस्कृति से परिचित हो रहे हैं। मनेर, बक्सर, गाजीपुर का भ्रमण कर पांच दिनों की यात्रा के बाद क्रुज राजमहल विदेशी पर्यटकों को लेकर बनारस पहुंचेगा।

दो मंजिला क्रुज राजमहल में 40 पर्यटकों के लिए राजशाही ठाठ-बाट उपलब्ध है। 51 मीटर लंबा यह क्रुज पूरी तरह से वातानुकूलित है। 22 केबिन वाले इस क्रुज में 18 डबल कमरे और चार सिंगल कमरे हैं। एक सैलून, लान, सन डेस्क, बियर बार, वाईफाई सुविधा है। जहाज के केबिन में बिहार की मधुबनी पेंटिग को जगह दी गई है।

पति से हुआ झगड़ा तो पत्नी ने दो बेटियों के साथ खाया जहर, तीनों की मौत

मोतिहारी, एजेंसी। बिहार के पूर्वी चंपारण (मोतिहारी) जिले से घरेलू विवाद में सामूहिक आत्महत्या का सनसनीखेज मामला सामने आया है। घटना मलाही थाना इलाके के ममरखा गांव की है। गुरुवार दोपहर को 33 वर्षीय महिला ने अपनी दो मासूम बेटियों के साथ जहर खाकर जान दे दी। मृतका महिला की पहचान सुगावती देवी के रूप में हुई है। बुधवार रात को उसकी अपने पति भोला राम से झगड़ा हो गया था। इसी से आहत होकर उसने अपनी दोनों बच्चियों के साथ जान दे दी। घटना के वक्त महिला का 13 साल का बेटा घर से बाहर था, तो वो बच गया। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

जानकारी के अनुसार, महिला सुगावती देवी का पति दूसरे राज्य में रहकर मजदूरी करता है। वह कुछ समय पहले गर आया था और वापस काम पर बाहर जाना चाहता था। मगर उसकी पत्नी ऐसा नहीं चाहती थी। इसी बात को लेकर बुधवार रात पति-पत्नी में विवाद हो गया। इसके बाद गुरुवार दोपहर में महिला सुगावती देवी ने अपनी पांच साल की बेटी परी कुमारी और सात साल की पुत्री उजाला को जहर खिलाकर खुद भी जहरीला पदार्थ खाल लिया। तीनों की तबीयत बिगड़ने लगी। इसकी जानकारी मिलते ही पति भोलाराम अपनी पत्नी और दोनों बेटियों को पहाड़पुर के सहटा के पास स्थित एक निजी अस्पताल में लेकर गया। वहां इलाज के दौरान मां और एक बेटी की मौत हो गई। दूसरी पुलिस को आते देख भोला राम दोनों के शव अस्पताल में छोड़कर ही फरार हो गया। वहीं दूसरी बेटी को गंभीर हालत में पहाड़पुर पीएचसी भेजा गया, वहां से बेतिया रेफर कर एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया। मगर उसने भी वहां इलाज के दौरान दम तोड़ दिया।

राज्यस्तरीय खेल प्रतियोगिताओं में धोखाधड़ी रोकने के उठाए कदम

नालंदा। बिहार राज्य खेल प्राधिकरण ने राज्यस्तरीय विद्यालय खेल प्रतियोगिताओं में आयु संबंधी धोखाधड़ी रोकने के लिए कड़े कदम उठाने का फैसला किया है। नालंदा जिला खेल कार्यालय की ओर से जारी एक आदेश में कहा गया है कि आगामी 2024-25 सत्र की प्रतियोगिताओं के लिए चयनित खिलाड़ियों का आयु और आधार सत्यापन किया जाएगा। यह कदम अपर पुलिस महानिदेशक, बिहार राज्य खेल प्राधिकरण के एक पत्र के जवाब में उठाया गया है, जिसमें उम्र संबंधी धोखाधड़ी के मामलों पर चिंता व्यक्त की गई थी। पत्र में कहा गया था कि कुछ खिलाड़ी, जो विश्वविद्यालय का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं, विद्यालय खेलों में भी भाग ले रहे हैं, जो नियमों का उल्लंघन है। नालंदा के जिला खेल पदाधिकारी ने इस संबंध में एक विस्तृत आदेश जारी किया है। आदेश में कहा गया है कि खिलाड़ियों के आवेदनों की गहन जांच की जाएगी। आवश्यकता पड़ने पर संबंधित विद्यालयों से सीधे संपर्क कर या विद्यालय भ्रमण कर जांच सुनिश्चित की जाएगी। आदेश की प्रतिलिपि सभी को भेज दी गई है आदेश की प्रतिलिपि सभी संबंधित खिलाड़ियों, निजी और सरकारी विद्यालयों के प्राचार्यों, जिला समन्वयक, स्थायी आधार केंद्र, और बिहार राज्य खेल प्राधिकरण के अधिकारियों को भेजी गई है। यह सुनिश्चित किया जाएगा कि इस आदेश का कड़ाई से पालन हो। खेल जगत से जुड़े लोगों का मानना है कि यह कदम राज्य के खेल परिदृश्य में एक नए युग की शुरुआत हो सकती है, जहां प्रतिभा और मेहनत को उचित सम्मान मिलेगा।

कमरा मोहल्ला से निकला ऊंटों पर अमारी के साथ जुलूस

मुजफ्फरपुर। कमरा मोहल्ला इमामबाड़ा से गुरुवार को अमारी का जुलूस निकाला गया। इसमें हजरत इमाम हसन अस्करी का ताबूत, हजरत अब्बास का अलम, हजरत अली असगर का झूला और काला ताजिया बरामद किया गया। ऊंट पर अमारी का जुलूस निकाला गया। कमरा मोहल्ला इमामबाड़ा मैदान से निकलकर जुलूस गोला रोड कब्रिस्तान पहुंचा, जहां नौहा मातम और कर्बला के शहीदों को आखिरी सलाम पेश किया गया।

जुलूस से पहले इमामबाड़ा में मजलिस को मौलाना सैयद निहाल हैदर ने खिताब किया। उन्होंने नबी के नवासे हजरत इमाम हुसैन की शहादत का जिक्र किया। बताया कि शहादत के बाद यजीद ने सभी को कैद कर लिया था और उन पर जुल्मो सितम किया। आज ही के दिन लुटा हुआ काफिला मदीना पहुंचा था। बीवी जैनब ने अपने नाना की कब्र पर कर्बला में हुए जुल्म को रो-रो कर बयान किया था। जुलूस में अमारी के साथ सियाह ताजिया, हजरत अब्बास का अलम, शबीहे ताबूत और हजरत अली असगर के झूला की भी जियारत कराई कई। इमामबाड़ा के बाहर सैयद मोहम्मद बाकर ने जुलूस को खिताब किया, वहीं मैदान में मशहूर खतीब तनवीर रजा विक्टर ने तकरीर किया। प्रोफेसर टूटू साहब के मोड़ पर मौलाना मो. कासिम कुम्मी ने शहादत इमामे हुसैन और उनके अहले हरम की मदीना वापसी का वर्णन पेश किया।

पीएम आवास योजना के लाभार्थियों की नई लिस्ट तैयार होगी

पटना। बिहार में प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण के तहत नए लाभार्थियों के नाम जोड़े जाएंगे। इसके लाभुकों की नई लिस्ट तैयार की जाएगी। इसके लिए सभी जिलों में जल्द सर्वे शुरू होगा और उसके आधार पर ही नई सूची बनेगी। बिहार में करीब पांच सालों के बाद पीएम आवास की लिस्ट तैयार होगी। इसको लेकर ग्रामीण विकास विभाग ने सभी जिलों को दिशा-निर्देश भी जारी कर दिए हैं। विभाग ने आवास योजना में नए योग्य लोगों के नाम जोड़े जाने की सहमति केंद्र सरकार से मांगी थी। केंद्र की अनुमति मिलते ही विभाग इसकी तैयारी में जुट गया है। ग्रामीण विकास विभाग के आवास सहायकों द्वारा योग्य लाभुकों का चयन किया जाएगा। सभी लाभुकों के नाम ऑनलाइन जुड़ेंगे। विभागीय पदाधिकारी बताते हैं कि आधार नंबर के साथ लाभार्थियों की सूची तैयार की जाएगी। आवास सहायक सभी गांवों में घर-घर जाकर सर्वे करेंगे। वह योग्य लाभुकों की ऑन स्पॉट तस्वीर भी मोबाइल से लेंगे। इसके साथ ही सर्वे में लगाये जाने वाले कर्मियों का पंजीयन कराया जाएगा। इनके मोबाइल से ली गई तस्वीर ही मान्य होगी। अंत में ग्राम सभा का आयोजन कर पीएम आवास के लाभार्थियों की सूची को अंतिम रूप दिया जाएगा। आठ साल में बने हैं 36.60 लाख आवास प्रधानमंत्री

आवास योजना-ग्रामीण के अंतर्गत बिहार में पिछले आठ सालों में 36 लाख 60 हजार से अधिक मकान बने हैं। वित्तीय वर्ष 2016-17 से अब-तक 37 लाख आवास की स्वीकृति केंद्र सरकार द्वारा दी गई। इस तरह 99 प्रतिशत आवास बन गए हैं। शेष बचे आवासों का निर्माण जारी है। देशभर में सबसे अधिक इस योजना के तहत बिहार में ही आवासों का निर्माण हुआ है। बिहार के एक लाख लाभार्थियों को जल्द मिलेगी पहली किस्त पूर्व में बनी सूची से अभी 13 लाख 55 हजार लोगों के आवास बनना शेष हैं। इनमें चालू वित्तीय वर्ष 2024-25 में दो लाख 43 हजार के आवास निर्माण की स्वीकृति केंद्र सरकार ने दी है। साथ ही केंद्र ने विभाग को यह भी आश्वस्त किया है कि अगले दो-तीन साल में पूर्व में बनी सूची में दर्ज सभी 13 लाख 55 हजार के आवास निर्माण की स्वीकृति दे दी जाएगी। इसके बाद नई सूची के आधार पर आवास निर्माण की कार्रवाई होगी। इधर, जिन 2.43 लाख की स्वीकृति इस साल दी गई है, उनमें एक लाख लाभुकों के खाते में 15 सितंबर को पहली किस्त का भुगतान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा किया जाएगा।

बिहार में विधानसभा चुनाव की तैयारियां शुरू

पटना। बिहार विधानसभा का कार्यकाल नवंबर 2025 तक है। लेकिन निर्वाचन विभाग ने विधानसभा चुनाव की तैयारी शुरू कर दी है। इस बार मतदाता पुनरीक्षण का कार्य महत्वपूर्ण होगा। विधानसभा चुनाव के लिए मतदान केंद्रों की संख्या इसी सूची के आधार पर तय होगी। बड़ी संभावना है कि हर विधानसभा क्षेत्र में बूथ बदले जाएंगे। नए भी बनेंगे। आयोग, एक जनवरी 2025 को कट ऑफ डेट मानकर मतदाता सूची तैयार कर रहा है। यानी एक जनवरी को जो 18 साल के हो जाएंगे, उनका नाम वोटर लिस्ट में जुड़ जाएगा। निर्वाचन विभाग की ओर से सभी निर्वाचक निबंधन पदाधिकारी को बीएलओ के साथ नियमित बैठक कर लगातार समीक्षा का निर्देश दिया गया है। इसके साथ ही लोकसभा चुनाव में सबसे अधिक और सबसे कम मतदान प्रतिशत वाले मतदान केंद्रों का अध्ययन निर्वाचक निबंधन पदाधिकारी (ईआरओ) और सहायक निर्वाचक निबंधन पदाधिकारी (एईआरओ) कर रहे हैं। इनका काम उन कारणों का पता लगाना है, जिससे कम वोटिंग हुई। सभी 243 सीटों पर समानांतर

सर्वे भी चल रहा सभी 243 विधानसभा क्षेत्रों में लोकसभा चुनाव के दौरान सबसे कम और सबसे अधिक मतदान वाले बूथों को चिन्हित कर सर्वे किया जा रहा है। ऐसे बूथों पर रिपोर्ट के आधार पर विशेष कार्रवाई होगी। लोकसभा चुनाव में वोटिंग की स्थिति टॉप-10 क्षेत्र:2019 की तुलना 2024 में कम वोटिंग हुई काराकाट, जहानाबाद, हाजीपुर, पाटलिपुत्र, सासाराम, बक्सर, नालंदा, पटना साहिब, वैशाली और मुंगेर। टॉप-10 क्षेत्र:2019 की तुलना 2024 में अधिक वोटिंग हुई नवादा, बांका, जमुई, कटिहार, बेगूसराय, भागलपुर, किशनगंज, गोपालगंज, औरंगाबाद और गया। जहां कम वोट वहां वोटिंग बढ़ाने पर विशेष फोकस होगा। वोटर लिस्ट में नाम जोड़ने-सुधार का काम 2 चरणों में 20 अगस्त से शुरू हुआ है। 18 अक्टूबर तक चलेगा। इस दौरान सभी बीएलओ के माध्यम से घर-घर जाकर मतदाता का सत्यापन, मतदान केंद्रों को चिह्नित करने, एपिक में गड़बड़ियों को दूर करने के साथ धुंधली तस्वीर में सुधार करना है। इसके तहत परिवार के सदस्यों का नाम एक ही प्रभाग में दर्ज करने, मतदाताओं की मतदान केंद्र से दूरी 2 किमी से कम रखने, मृत और दोहरीकरण प्रविष्टियों को हटाने, छूटे और भावी मतदाताओं का नाम जोड़ने सहित अन्य कार्रवाई होगी। बिहार के मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के द्वारा 2 नवम्बर, 3 नवम्बर, 23 नवम्बर और 24 नवम्बर को विशेष अभियान की तारीख निर्धारित की गई है। : प्रारूप प्रकाशन के बाद होगा। दावा-आपत्तियों का 24 दिसंबर तक निष्पादन किया जाएगा। 6 जनवरी को मतदाता सूची का अंतिम प्रकाशन होगा।

तीर्थ यात्रियों को 200 एमएल गंगाजल मुफ्त देगा जिला प्रशासन

गया। गया में 17 सितंबर से पितृपक्ष मेला शुरू होने जा रहा है। शासन-प्रशासन की ओर से तैयारी की जा रही है। देश-विदेश से आने वाले तीर्थ यात्रियों को पिंडदान करने के बाद जब वह वापस लौटेंगे तो उन्हें उपहार स्वरूप गंगाजल का दिया जाएगा। ताकि वे तीर्थ यात्री अपने घर गंगाजल ले जाएं और उसे पूजा पाठ से जुड़े विधि विधान में प्रयोग कर सकें। गौरतलब है कि पितृपक्ष मेला शुरू होने से पहले मुख्यमंत्री नीतीश कुमार मेला क्षेत्र में तैयारी का जायजा लेने के लिए पहुंचे थे। मेला क्षेत्र के जायजा लेने के बाद गया समाहरणालय के सभागार में सभी विभागों के अधिकारी, अन्य समाज सेवियों व गयापाल पण्डा के साथ बैठक की थी। नीतीश कुमार ने बैठक में कहा था कि इस बार तीर्थ के लिए गंगाजल का पैकेट उपहार स्वरूप दिया जाए। यह एक अच्छा संदेश भी जाएगा। पैकेजिंग होने के बाद 17 सितंबर से मेला क्षेत्र में सरकारी स्टॉल लगाया जाएगा जहां से गंगाजल तीर्थ यात्रियों के बीच वितरण किया जाएगा। 10 हजार तीर्थ यात्रियों को गंगाजल दिया जाएगा आदेश में कहा गया है कि एक दिन में कम से कम 10 हजार तीर्थ यात्रियों को गंगाजल उपहार स्वरूप दिया जाएगा। हालांकि इसको लेकर मगध दूध उत्पादक सुधा डेयरी के अधिकारियों ने अपने कर्मचारियों के साथ बैठक की है। इसकी तैयारी में भी वे जुट गए है। लेकिन गंगा का जल शीशी में या फिर जार में या फिर पालीथिन में पैकड होगा।

उदय स्टोन क्लिनिक
NH-28 A, नियर टाटा मोटर्स, मोतिहारी (बिहार)
9102779809
9801344665

श्रम विभाग की टीम ने बाल श्रमिकों को कराया मुक्त

बीएनएम। मोतिहारी

शुक्रवार को श्रम संसाधन विभाग बिहार के निर्देश के आलोक में एवं श्रम प्रवर्तन पदाधिकारी, घोड़ासहन के नेतृत्व में घोड़ासहन प्रखंड क्षेत्र अंतर्गत विशेष धावा दल के द्वारा विभिन्न प्रतिष्ठानों में सघन जाँच अभियान चलाया गया। जाँच के क्रम में घोड़ासहन प्रखंड के कुल- 02 प्रतिष्ठानों क्रमशः प्रदीप कुमार चाहत फैमली रेस्टोरेंटएंड एवं हिमांशु स्वीट्स कॉर्नर से 01-01 बाल श्रमिक अर्थात कुल- 02 बाल श्रमिकों को धावा दल की टीम के द्वारा विमुक्त कराया गया साथ ही श्रम अधीक्षक अनिल कुमार सिंह द्वारा यह स्पष्ट किया गया कि यह अभियान पूर्वी चंपारण जिला अंतर्गत लगातार क्रियाशील रहेगा। बाल एवं किशोर श्रम (प्रतिषेध एवं विनियमन) अधिनियम, 1986 के तहत सभी नियोजकों के विरूद्ध संबंधित थाने में प्राथमिकी दर्ज करने की कार्रवाई की जा रही है, जबकि सभी विमुक्त बाल श्रमिकों को बाल कल्याण समिति मोतिहारी के समक्ष उपस्थापित कर उन्हें बाल गृह में रखा गया है। श्रम अधीक्षक अनिल कुमार सिंह द्वारा बताया कि बच्चों से प्रतिष्ठान में कार्य कराना बाल एवं किशोर श्रम प्रतिषेध एवं विनियमन के अंतर्गत गैर कानूनी है। बाल एवं किशोर श्रम (प्रतिषेध एवं विनियमन) अधिनियम, 1986 के अतर्गत बाल श्रमिकों से कार्य कराने वाले व्यक्तियों को 20 हजार रूपये से 50 हजार रूपये तक का जुर्माना और 2 वर्षों तक का कारावास का प्रावधान है। इसके अतिरिक्त सर्वोच्च न्यायालय के निर्देश के आलोक में सभी नियोजकों से 20,000/- (बीस हजार रू.) प्रति बाल श्रमिक की दर से राशि की वसूली की जाएगी। इस विशेष धावा दल की टीम में श्रम प्रवर्तन पदाधिकारी, घोड़ासहन, श्रम प्रवर्तन पदाधिकारी, कल्याणपुर, श्रम प्रवर्तन पदाधिकारी, ढाका, श्रम प्रवर्तन पदाधिकारी, बनकटवा, एएचटीयू, मोतिहारी, प्रयास संस्था के प्रतिनिधि, न्याय नेटवर्क परियोजना डंकन हॉस्पिटल रक्सौल के प्रतिनिधि एवं घोड़ासहन थाना से 07 पुलिस कर्मी एवं एंटी ह्यूमन ट्रैफिकिंग यूनिट की टीम शामिल थी।

जनता दरबार में 53 आवेदनकर्ताओं की सुनी गयी समस्याएं

शीघ्र ही निष्पादन का दिया गया आश्वासन

बीएनएम। मोतिहारी

नगर के समाहरणालय स्थित डॉ. राधाकृष्णन भवन सभागार में शुक्रवार को आयोजित कार्यक्रम जनता के दरबार में जिला प्रशासन द्वारा जिलेभर के विभिन्न प्रखंडों से आए 53 आवेदनकर्ताओं की समस्याओं पर सुनवाई की गई। उक्त प्राप्त शिकायतों पर संज्ञान लेते हुए एडीएम पीजीआरओ शैलेंद्र भारती ने कहा कि जो आवेदन प्राप्त हुए हैं, उस पर संबंधित पदाधिकारी के स्तर से कार्रवाई कराते हुए शीघ्र ही समस्या का विधिसम्मत निदान सुनिश्चित किया जाएगा। इस जनता के दरबार में स्वास्थ्य, शिक्षा, आपूर्ति, पंचायती राज विभाग, भूमि विवाद, अतिक्रमण वाद, राजस्व विभाग से संबंधित अधिकांश आवेदन प्राप्त हुए जिसके शीघ्र निष्पादन हेतु संबंधित पदाधिकारी को आवश्यक दिशा-निर्देश के साथ भेज देने का निर्देश अपर समाहर्ता के द्वारा प्रभारी पदाधिकारी जिला जन शिकायत कोषांग को दिया गया। जनता दरबार में जिला पंचायत राज पदाधिकारी सहित अन्य पदाधिकारी उपस्थित रहे।

संक्षिप्त समाचार

एनीमिया से बचाव हेतु जागरुकता कैंप का आयोजन

बीएनएम। मोतिहारी। राष्ट्रीय पोषण मिशन अंतर्गत 01 सितंबर से 30 सितंबर तक पोषण माह के रूप में मनाया जा रहा है जिसके तहत शुक्रवार को जिले के संग्रामपुर परियोजना के सभी पंचायत में स्वास्थ्य एवं आईसीडीएस विभाग के द्वारा संयुक्त रूप से एनीमिया के प्रति जागरूकता एवं एनीमिया से बचाव हेतु एनीमिया कैंप का आयोजन किया गया। एनीमिया महिलाओं के स्वास्थ्य से संबंधित एक चिंताजनक समस्या है जो मुख्य रूप से छोटे बच्चों किशोरियों, गर्भवती महिलाओं, प्रसव के बाद औरतों और प्रजनन योग्य आयु की स्त्रियों को प्रभावित करता है। किशोरावस्था की अवधि युवा किशोरी में किसी भी पोषण संबंधी कमी को ठीक करने का सही अवसर है ताकि भविष्य की पीढ़ियों पर एनीमिया के अंतर पीढ़ी गत प्रभावों को रोका जा सके। एनीमिया कैंप में गर्भवती, धात्री, किशोरी को पोषण एवं एनीमिया से बचाव के प्रति जागरूक किया गया तथा हीमोग्लोबिन जांच किया गया। इस कार्यक्रम में सेविका, सहायिका, आशा, एएनएम, महिला पर्यवेक्षिका, हेल्थ मैनेजर, प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी, बाल विकास परियोजना पदाधिकारी संग्रामपुर इत्यादि उपस्थित हुए।

निगरानी विभाग ने फर्जी डिग्री वाले चार शिक्षको पर दर्ज करायी प्राथमिकी

बीएनएम। मोतिहारी। जिले में फर्जी डिग्री पर शिक्षक बने लोगों पर कार्रवाई का सिलसिला जारी है। निगरानी विभाग ने एक बार फिर चार फर्जी शिक्षकों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराया है। इनमें से तीन शिक्षक पिपराकोठी और एक शिक्षिका तुरकौलिया की है। जानकारी के अनुसार निगरानी विभाग ने फर्जी शिक्षको के विरूद्ध इस साल की तीसरी प्राथमिकी है। जिसमे 14 शिक्षको के विरूद्ध प्राथमिकी दर्ज करायी गयी है। ये सभी शिक्षक फर्जी प्रमाण पत्रों (डिग्री) के आधार पर नियुक्त हुए थे। निगरानी डीएसपी ने शुक्रवार को पिपराकोठी थाना में एनपीएस पासवान टोली में कार्यरत शिक्षिका सपना कुमारी, यूएमएस हथियाही में कार्यरत संजय कुमार और यूएमएस झखरा में कार्यरत नवल किशोर राम के साथ-साथ तुरकौलिया थाने में मध्य विद्यालय टिकैता में कार्यरत शिक्षिका कुमारी रूपलता पर प्राथमिकी दर्ज करने के लिए आवेदन दिया है। बताया गया है,कि शिक्षिका रूपलता के पति रेलवे में कार्यरत है।उल्लेखनीय है,कि हाईकोर्ट के आदेश के आलोक में निगरानी विभाग बड़े पैमाने पर जिले में कार्यरत उन शिक्षको की जांच कर रहा है,जिन्होने फर्जी प्रमाण पत्र के आधार पर शिक्षक पद नियुक्ति पाई है।

पोषण के प्रति जागरूकता अभियान जारी

बीएनएम। मोतिहारी। राष्ट्रीय पोषण माह के अंतर्गत विभागीय कैलेण्डर के अनुसार प्रतिदिन आंगनबाड़ी केंद्रों पर पोषण के प्रति जागरूकता फैलाने के उद्देश्य से गतिविधियों का आयोजन किया जा रहा है। इसी कड़ी में शुक्रवार को केसरिया बाल विकास परियोजना अंतर्गत आंगनबाड़ी केंद्र संख्या- 101 ताजपुर पटख़ौलिया में रंगोली बनाकर 'सुपोषित किशोरी सशक्त नारी' के थीम पर गतिविधियों का आयोजन किया गया। सेविकाओं और किशोरियों के बीच मेहंदी प्रतियोगिता कराई गई।

भोजपुरी कला उत्सव का बेतिया में आज होगा भव्य आयोजन

बीएनएम। बेतिया

संस्कार भारती द्वारा पूरे बिहार में एक साथ विभिन्न भाषाई क्षेत्रों के आधार पर आयोजित किए जा रहे कला उत्सव की श्रृंखला में बेतिया शहर में भोजपुरी कला उत्सव का आयोजन 14 और 15 सितम्बर को किया जा रहा है। यह उत्सव पश्चिमी चंपारण जिले के बेतिया में अवस्थित शुभारंभ उत्सव भवन (बेतिया सरिसवा रोड) में संपन्न होगा। इस उत्सव में पश्चिमी बिहार, पूर्वी उत्तर प्रदेश, पश्चिमी झारखंड, और नेपाल के तराई क्षेत्रों से कुल 500 से अधिक पंजीकृत प्रतिनिधि भाग लेंगे, जो भोजपुरी भाषी क्षेत्रों का प्रतिनिधित्व करेंगे। भोजपुरी कला उत्सव भोजपुरी बोलने वाले विभिन्न क्षेत्रों की सांस्कृतिक धरोहर को एक मंच पर लाने का एक उत्कृष्ट प्रयास है, जो क्षेत्रीय कला और संस्कृति को राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय मंच पर स्थापित करने में सहायक सिद्ध होगा। इस अवसर पर भोजपुरी क्षेत्र की समृद्ध संस्कृति, कला, विचार, संस्कार, और रहन-सहन को दर्शाने वाले विभिन्न कार्यक्रम प्रस्तुत किए जाएंगे। बैठक में यह सर्वसम्मति से यह तय किया गया कि आयोजन सह स्वागत समिति और व्यवस्था समिति दो दिवसीय कार्यक्रम का संपूर्ण देख रेख करेगी। समाज के हाशिए पर धकेल दिए गए अनुसूचित जाति एवम जनजाति तबका से आने वाले कलासाधकों और कलाकारों का सम्मान किया जायेगा। सभी बाहरी प्रतिनिधि सिंगाछापर गांव के निवासियों के यहां रात्रि विश्राम करेंगे ताकि विभिन्न भोजपुरी क्षेत्र के रीति रिवाजों से सभी प्रतिनिधि अवगत हो सके।साथ ही वे प्रतिनिधि जिस ग्रामवासी के यहां रात्रि विश्राम करेंगे,उनके अहाते में एक फलदार वृक्ष लगाएंगे। कार्यक्रम में भोजपुरी के सिद्धहस्त कलाकारों जैसे भरत शर्मा व्यास,चंदन तिवारी,अंकिता पंडित,उदय नारायण सिंह,जयकांत सिंह जय,ब्रजभूषण मिश्र,राकेश मिश्र की प्रस्तुतियां होंगी।राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय में मंचन किया जा चुका भिखारी ठाकुर का प्रसिद्ध नाटक "गंगा स्नान" की प्रस्तुति आरा से आए कलाकारों की टीम द्वारा किया जायेगा। प्रदर्शनी हेतु प्रशांत सौरभ,साहित्य हेतु जयकांत सिंह जय एवम अखिलेश्वर मिश्र,संगीत हेतु उदय नारायण सिंह एवं डॉ सुरेंद्र कुमार राम,नृत्य हेतु सर्वेश कुमार तिवारी"श्रीमुख" एवं कुमारी सीमा को संयोजक का दायित्व दिया गया है।

कांवड़ियों की सुविधा के लिए शिविर व भंडारे का शुभारंभ, श्रद्धालुओ के सेवा तत्पर रहेगे वांलिटियर

बीएनएम। मोतिहारी

त्रयोदशी व अनंत चर्तुदशी पर अरेराज सोमश्वर महादेव को जलाभिषेक के लिए पताही प्रखंड के देवापुर स्थित बागमती और लालबकेया संगम घाट से जलबोझी कर कांवरियो का निकलने का सिलसिला शुरू हो चुका है। घाट पर डाक कांवरिया भी पहुंचने लगे है। इनकी सुविधा को लेकर शुक्रवार को विशाल भंडारा सह सेवा शिविर का उद्घाटन पकड़ीदयाल एसडीओ अविनाश कुमार, ढाका डीएसपी अशोक कुमार, पताही बीडीओ सम्राट जीत, समाजसेवी सुभाष सिंह ने संयुक्त रूप से किया। मौके पर सुभाष सिंह ने बताया कि घाट पर जलबोझी करने आने वाले डाक बम व कांवरियो के लिए निःशुल्क शिविर सह विशाल भंडारा का आयोजन किया गया है। उन्होंने बताया कि निःशुल्क महाभंडारा 13 से 16 सितंबर तक चलेगा।जिसमें निःशुल्क भोजन, निःशुल्क पेयजल, निःशुल्क दवा, निःशुल्क चाय-शरबत और कांवरियो के लिए रात्रि विश्राम की उत्तम व्यवस्था की गई है। मौके पर पताही अंचलाधिकारी नाजनी अकरम, बीपीआरओ रवि भारती, पताही प्रमुख धर्मेंद्र कुमार, उप प्रमुख प्रतिनिधि ओम प्रकाश सिंह, लालबाबू सिंह, सतीश झा, बेदानंद झा, सहित मेला समिति के सदस्य एवं बड़ी संख्या मे वांलेटियर मौजूद थे।

बलभद्र पूजा को लेकर निकली भव्य शोभा यात्रा

बीएनएम। मोतिहारी

कलवार कल्याण समिति के तत्वावधान में शुक्रवार को रक्सौल के फल मंडी रोड में आयोजित बलभद्र पूजा के अवसर पर भव्य शोभा यात्रा निकाली गई। जिसमे बड़ी संख्या रक्सौल व नेपाल के वीरगंज शहर के कलवार समाज के लोग शामिल हुए। शोभा यात्रा का नेतृत्व कलवार कल्याण समिति के अध्यक्ष राजेश कुमार प्रसाद ने किया।वही इस मौके पर मुख्य अतिथि के रूप में सांसद डॉ. संजय जायसवाल भी मौजूद रहे।मौके पर उन्होने कहा कि समाज को आगे बढ़ाने के लिए अपने-अपने बच्चों को उच्च शिक्षा दें ताकि वे सभ्य नागरिक बन सके। वहीं स्थानीय विधायक प्रमोद कुमार सिन्हा ने कहा कि ऐसे आयोजन से समाजिक एकता मजबूत होता है। बलभद्र पूजा के मुख्य यजमान अनिल कुमार गुप्ता व उनकी धर्मपत्नी लवली गुप्ता को आचार्य पप्पू पंडित जी के वैदिक मंत्रोचारण के बीच पूजा को संपन्न कराया। शोभा यात्रा पूजा पंडाल से निकलकर हाड़ी बाजार, पोस्ट ऑफिस रोड, बैंक रोड, एक्सचेंज रोड के रास्ते पुनः पूजा पंडाल में पहुंची। वही पूजा के उपरांत यूपीएससी की परीक्षा पास कर आइपीएस बने रानू गुप्ता के पिता संजय कुमार गुप्ता के अलावे शिक्षण व जॉब के क्षेत्र में बेहतर कार्य करने वाले समाज के बच्चों को सम्मानित किया गया। पूजनोत्सव कार्यक्रम को पूर्व मंत्री स्व. बृजबिहारी प्रसाद की पुत्री रागिनी गुप्ता, पूर्व मंत्री श्याम बिहारी प्रसाद, ढाका विधायक पवन जायसवाल, भाजपा नेता राजेन्द्र प्रसाद गुप्ता, सभापति प्रतिनिधि सुरेश कुमार यादव आदि ने भी संबोधित किया।

MADAN RAJ NURSING HOME
HOSPITAL ROAD MOTIHARI, (BIHAR)
Contact No.- 9801637890, 6200480505, 9113274254

पश्चिम चंपारण में आशा कार्यकर्ताओं को बताया गया बालू मक्खी के काटने से होता है कालाजार

बीएनएम। बेतिया

कालाजार उन्मूलन कार्यक्रम के तहत जिले के सिकटा, लौरिया, बैरिया , गौनाहा, भीतहां, मधुबनी, ठकरहां, नौतन के चयनित आशा कार्यकर्ताओं को लगातार 10 सितम्बर से उन्मुखीकरण कार्यशाला का आयोजन किया जा रहा है। इस प्रशिक्षण के दौरान आशा कार्यकर्ताओं को कालाजार के लक्षणों की पहचान व उससे बचाव के उपाय बताए जा रहें है। प्रशिक्षक श्याम सुन्दर कुमार, पीओसीडी, पीरामल एवं प्रकाश कुमार वीवीडीएस ने शुक्रवार को कहा कि बालू मक्खी के काटने से कालाजार होता है। उन्होंने बताया की जागरूकता ही कालाजार से बचाव के बेहतर उपाय है। वेक्टर जनित रोग नियंत्रण पदाधिकारी डॉ हरेन्द्र कुमार ने बताया कि कालाजार के संपूर्ण उन्मूलन के लिए जागरूकता जरूरी है। इसके लिए सरकार की तरफ से आशा कार्यकर्ताओं को प्रोत्साहन राशि के रूप में 100 रुपये अतिरिक्त दिए जाएंगे। आशा कार्यकर्ता छिड़काव होने से पहले घर-घर जाकर लोगों को इसकी जानकारियां देंगी। उन्होंने बताया कि छिड़काव चक्र के दौरान चयनित गांवों के सभी घरों एवम गौशाला के अंदर पूरी दीवार पर दवा का छिड़काव किया जाना चाहिए। अगर एक भी घर छिडकाव से वंचित रह गया, तो बालू मक्खी के पनपने का खतरा बना रहेगा। भीबीडीएस प्रकाश कुमार ने बताया कि बालू मक्खी के काटने से कालाजार होता है। उन्होंने बताया कि यह मक्खी कम रोशनी वाली और नम जगहों जैसे कि मिट्टी की दीवारों की दरारों, चूहे के बिलों तथा नम मिट्टी में रहती है। इसलिए दवा का छिड़काव घरों, गौशालाओं की दीवार पर छह फीट तक किया जाता है। वहीं उन्होंने बताया कि क्षतिपूर्ति के रूप में कालाजार के मरीजों को सरकार द्वारा 7100 रुपये की राशि दी जाती है। रुक-रुक कर बुखार आना, भूख कम लगना, शरीर में पीलापन और वजन घटना, तिल्ली और लिवर का आकार बढ़ना, त्वचा-सूखी, पतली और होना और बाल झड़ना कालाजार के मुख्य लक्षण हैं। इससे पीड़ित होने पर शरीर में तेजी से खून की कमी होने लगती है।

संक्षिप्त समाचार

नोजल मैन से रुपए व मोबाइल की हुई लूट

बीएनएम : कोटवा। थाना क्षेत्र के कोटवा कदम चौक के समीप एन एच 27 पर स्थित मंगल पेट्रोल पंप के नोजल मैन से रुपए ब मोबाइल लूट कर भाग निकले अपराधी पेट्रोल भरवाने पंप पर आए और हथियार भिड़ा कर लूट की घटना को अंजाम दिया। मामले को लेकर पेट्रोल पंप कर्मी राजू राय ने अज्ञात अपराधियों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराई है। दर्ज प्राथमिकी में बताया है की गुरुवार की रात्रि काले रंग की अपाची बाइक पर सवार दो अपराधी पेट्रोल भरवाने के लिए पंप पर आया। साथ ही एक पैदल अपराधी आया और पानी के लिए पूछा एवं पानी पीने चला गया। बाइक सवार अपराधी बाइक में एक हजार दस रुपए का पेट्रोल भरवाया एवं पैसा निकालने के लिए पॉकेट में हाथ लगाया और पिस्तौल निकाल कर सीना पर सटा दिया। एक झापड़ मारा और दिनभर का बिक्री किया हुआ पैसा 52 हजार 700 रुपया छीन लिया। वही पंप पर कार्यक्रम उसके सहयोगी अरुण पासवान के गल्ला में रखे 45 हजार 600 रुपए लूट लिया। साथ ही दोनो की मोबाइल भी लूट ली। पानी पीने गया अपराधी पीछे से आया एवं काले रंग के बैग में पैसा रखकर एक ही बाइक से भाग निकला। मामले की सूचना मिलने के बाद मौके पर पहुंचे डीएसपी सदर 2 जितेश पांडेय, थानाध्यक्ष ने पेट्रोल पंप पर लगे सीसीटीवी फुटेज खंगालते हुए स्टॉफ से पूछताछ की। वही एक संदिग्ध को हिरासत में लिया है, जो की थाना क्षेत्र के टलवा गांव का सोनू कुमार बताया गया है। सोनू हाल में ही जेल से छूटा है जिसका मोबाइल लोकेशन का जांच किया जा रहा है। थानाध्यक्ष राजरूप ने बताया की प्राथमिकी दर्ज कर अपराधियों की धर पकड़ के लिए छापेमारी की जा रही है।

तेल टर्मिनल के परिचालन में बाधा उत्पन्न करने वाले दो आरोपी गिरफ्तार

- दोनों आरोपी तेल टैंकर में तेल लोड करने पर टैंकर तोड़ फोड़ व जलाने की दे रहे थे धमकी
- मुख्य टर्मिनल प्रबंधक ने दर्ज कराया प्रथमिकी

बीएनएम : सुगौली। छपवा- मोतिहारी राष्ट्रीय राजमार्ग पर छपरा बहास स्थित तेल टर्मिनल पर दो लोगों ने हंगामा बरपा दिया।तेल टैंकरों में टर्मिनल से तेल लोड करने पर टैंकरों में तोड़फोड़ करने और जला देने की धमकी देने लगे।घटना शुक्रवार के दोपहर की बताई जाती है।घटना की सूचना पर पहुंची स्थानीय पुलिस ने हंगामा और टर्मिनल परिचालन को बाधित करने वाले दोनों को गिरफ्तार पकड़ कर थाना ले आई। पकड़े गए दोनों आरोपी में एक पकड़ीदयाल थाना के परसौनी गांव निवासी स्व० सीताराम सिंह का पुत्र कुंदन कुमार और दूसरा आरोपी गोपालगंज जिला के सदर गोपालगंज थाना स्थित अमवा नकरदेई गांव के दूधनाथ मांझी का पुत्र राम मिलन मांझी बताया जाता है। घटना के बावत टर्मिनल के मुख्य प्रबंधक प्रवीण कुमार ने स्थानीय थाने में प्राथमिकी दर्ज करने हेतु दिए आवेदन में उल्लेख किया है कि मोतीहारी तेल टर्मिनल द्वारा पूर्वी व पश्चिमी चंपारण, गोपालगंज सहित अन्य जिलों के विभिन्न क्षेत्रों में तेल टैंकरों द्वारा पेट्रोलियम की आपूर्ति किया जाता है।11 सितंबर से विभिन्न क्षेत्रों के ट्रांसपोटर्स की तेल टैंकरों का यहां से पेट्रोलियम लोड करना शुरू हो गया।12 सितंबर शुक्रवार को भी तेल टैंकरों पर पेट्रोलियम लोड होना था। लेकिन उपरोक्त दोनों असमाजिक तत्वों ने टर्मिनल से बाहर खड़े तेल टैंकरों के चालकों व टीटी क्रू को टर्मिनल से पेट्रोलियम लोड नहीं कराने को लेकर धमकाने लगे। दोनों ने धमकी देते हुए कहा कि बात नहीं मानने पर टेल टैंकरों को क्षतिग्रस्त कर दिया जाएगा। मुख्य प्रबंधक ने अपने आवेदन में लिखा है कि पेट्रोलियम डीलर मेसर्स बलराम किसान सेवा केन्द्र के मालिक अरुण कुमार ने भी पुलिस को सूचित किया कि उनके तेल टैंकर रजि०सं०बी आर 22 जी बी 8136को छपवा व टर्मिनल के बीच रास्ते में आरोपियों द्वारा रोक कर चालक को मारा पीटा गया तथा तेल टैंकर को जला देने की बात कही गई। आवेदक में प्रबंधक ने लिखा है कि दोनों आरोपियों व दस पंद्रह अज्ञात लोगों द्वारा तेल ट्रमिनल को जबरदस्ती जाम कर दिया गया। घटना की पुष्टि करते हुए थानाध्यक्ष अमित कुमार सिंह ने बताया कि आरोपियों को न्यायिक हिरासत में ले लिया गया है। पुलिस घटना की जांच पड़ताल में जुटी है।

रक्सौल हवाई अड्डा क्षेत्र का जिलाधिकारी ने किया स्थलीय निरीक्षण

बीएनएम : रक्सौल

जिलाधिकारी सौरभ जोरवाल के द्वारा नगर आयुक्त नगर निगम सौरव सुमन यादव एवं अनुमंडल पदाधिकारी रक्सौल शिवाक्षी दीक्षित के साथ रक्सौल हवाई अड्डा क्षेत्र का स्थलीय निरीक्षण किया गया। यहां पर उपस्थित अंचल अधिकारी रक्सौल ने बताया कि भारत सरकार के नागरिक उड्डयन मंत्रालय अंतर्गत भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण द्वारा तैयार किए गए मास्टर प्लान में 139 एकड़ अतिरिक्त भूमि अधिग्रहण की आवश्यकता बताई गई है। अंचलाधिकारी ने बताया कि इसके अंतर्गत मौजा सिसवा, चंदौली, चिकनी, एकडेरवा, भरतभट्टी एवं सिंहपुर जो एयरपोर्ट के चारदीवारी पर स्थित है जिसका निरीक्षण किया गया। जिलाधिकारी के द्वारा हवाई अड्डा की चाहरदीवारी से लगभग 700 मीटर की दूरी तक पश्चिम दिशा में, लगभग 3200 मी. दक्षिण पश्चिम की दिशा में अतिरिक्त 700 मी. की रकबा, पूरब-दक्षिण की दिशा में अतिरिक्त 400 मीटर की रकवा, पूरब दिशा में 400 मीटर एवं उत्तर में 6000 मीटर रकबा का स्थल का निरीक्षण किया गया एवं इसके राजस्व अभिलेखों की जांच की गई। उक्त जांच में लगभग 35 एकड़ गैर मजरूआ खाते की जमीन पाई गई, 5 एकड़ बकास्त भूमि एवं लगभग 100 एकड़ रैयती भूमि पाई गई जिसके खेसरा पंजी निर्माण के संबंध में जिलाधिकारी के द्वारा सभी जरूरी निर्देश अंचल अधिकारी को दिया गया। निरीक्षण के क्रम में जिलाधिकारी के द्वारा एयरपोर्ट के लिए एप्रोच रोड के विस्तारीकरण के संबंध में जरूरी निर्देश दिया गए। एयरपोर्ट का विस्तार तिलावे नदी के पश्चिम दिशा में नदी से लगभग 500 मीटर की दूरी तक होना है। जिलाधिकारी ने कहा कि युक्त से संबंधित भूमिका खाता खेसरा यथाशीघ्र अधियाची विभाग को आगे की कार्रवाई हेतु भेज दी जाए।

डीएम ने बेलवा पंचायत के विकासात्मक कार्यों का निरीक्षण किया

बीएनएम : आदापुर

जिले में मुख्यमंत्री नीतिश कुमार के प्रस्तावित आगमन को लेकर डीएम शुक्रवार को बेलवा पंचायत के सरकारी राशि से हुई विकासात्मक कार्यों की निरीक्षण किया गया है। उक्त पंचायत में मनरेगा सहित अन्य सरकारी राशि से पंचायत के भलुआहियां गांव में प्राथमिक विद्यालय, पुस्तकालय, लक्ष्मीपुर में जीविका भवन, आंगनवाड़ी केंद्र, ग्रामीण मार्ट, किचेन से आदि का निरीक्षण किया गया।वही आवागमन की सुविधा की जानकारी ली गई। जिला पदाधिकारी सौरव जोरवाल सहित अन्य अधिकारियों ने लिया। बताया जाता है कि यदि सब कुछ ठीक रहा तो संभवतः मुख्यमंत्री नीतिश कुमार बेलवा पंचायत में आ सकते है और मनरेगा से बने भवनो का उद्घघाटन कर सकते है, मौके पर एसडीएम शिवाक्षी दिक्षित, बीडीओ रंधीर कुमार, बीपीआरओ राजीव रंजन, मनरेगा पीओ बिनोद प्रभाकर, जीविका बीपीएम, मुखिया जितेन्द्र कुमार सिंह व थानाध्यक्ष धनंजय शर्मा सहित अन्य अधिकारी व कर्मचारी मौजूद थे।

डाकबम व मोहम्मद साहब के जन्म को लेकर शांति समिति की बैठक

बीएनएम : तुरकौलिया

डाक बम व मोहम्मद साहब के जन्म को लेकर प्रखंड सभागार भवन में थानाध्यक्ष सुरेश यादव कि अध्यक्षता में शांति समिति की बैठक हुई। बैठक को संबोधित करते हुए थानाध्यक्ष ने कहा कि शांतिपूर्ण माहौल में पर्व संपन्न कराने में जनप्रतिनिधियों का सहायता अपेक्षित है। कावरियों के चलने के रास्ते पर कोई परेशानी नही हो। इसका ख्याल सभी को रखना होगा। इस दौरान पुलिस भी गश्ती करेगी। ताकि कावरियों को किसी प्रकार का दिक्कत नही हो। सीओ संतोष कुमार व बीडीओ प्रियंका कुमारी ने कहा कि कावरिया व डाकबम तुरकौलिया चौक से होकर बाजार होते हुए जाते हैं। यह सड़क जर्जर है। मुखिया से कहा गया कि किसी तरह इस पर पर मिट्टी गिरा दें। ताकि पैदल चलने में सहुलियत हो। सीएचसी प्रभारी अर्जुन कुमार गुप्ता ने कहा कि तुरकौलिया चौक, बैरिया बाजार सहित मुख्य मुख्य डाक बम शिविर में जरूरी दवा उपलब्ध कराई जाएगी। वही मिलादुन्नबी को लेकर बैठक में कहा गया कि सुबह या शाम में जुलूस निकाला जाएगा। बैठक में मुखिया सुनील टाइगर, अशरफ आलम, कयामुद्दीन, पंचायत समिति सदस्य ईद महमद देवान, संजय सिंह, अशोक यादव, हरेन्द्र पटेल, राकेश बंगाली, सरपंच मनोज कुमार, कलाम अंसारी, कमरूजामा, आफताब आलम, अनीश आलम आदि मौजूद थे।

CENTER CODE- BR-12870035
SAKSHI COMPUTER INSTITUTE
भारत सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त शिक्षण संस्थान
A UNIT OF BDS COMPUTER PVT. LTD.
A RIGHT PLACE FOR YOUR STUNING PERSONALITY
COME AND LEARN COMPUTER WITH US
Tally Prime
ADCA DCA CCC
COMPUTER BASIC
ADVANCE EXCEL
YADOPUR ROAD, HARSIDHI, EAST CHAMPARAN
9470050309 RAKESH KUMAR bdscomputer.in

वीभत्स घटना पर राजनीतिक दिखावा

गंभीर और मुश्किल सवालों से उलझने का साहस ना हो, तो फिर हर वीभत्स घटना पर राजनीतिक दिखावा ही एकमात्र रास्ता बच जाता है। आरजी कर अस्पताल बलात्कार कांड के बाद यही रास्ता ममता बनर्जी की सरकार ने अपनाया है। ममता बनर्जी ने इसे ऐतिहासिक और मॉडल विधेयक कहा है। पश्चिम बंगाल की विधानसभा ने बलात्कार और हत्या के दोषियों को मृत्युदंड का प्रावधान करते हुए इस विधेयक को पारित किया है। इसमें यह भी प्रावधान है कि पुलिस को ऐसे मामलों की जांच पूरी कर 21 दिन के अंदर अपनी पहली रिपोर्ट अदालत में पेश करनी होगी, जिससे मुजरिमों को शीघ्र एवं कठोरतम सजा दिलाना संभव हो जाएगा। इस तरह आरजी कर अस्पताल में महिला डॉक्टर की बलात्कार के बाद हत्या के मामले में सियासी तौर पर बुरी तरह घिर गई राज्य की सत्ताधारी पार्टी तृणमूल कांग्रेस ने अपने बचाव का एक राजनीतिक कदम उठाया है। दांव कारगर होगा या नहीं, यह तो बाद में जाहिर होगा। लेकिन जो कदम उठाया गया है, वह सिरे से समस्याग्रस्त है। इससे जाहिर हुआ है कि देश में इतना विवेकहीन माहौल बना हुआ है कि इसके बीच गंभीर मसलों पर भी अतीत से सीख लेने और तार्किक विचार-विमर्श में जाने की गुंजाइश बेहद सिकुड़ चुकी है। निर्भया कांड के बाद देश में ऐसे अपराधों के लिए सजा को सख्त बनाया गया था। उसके बाद बच्चों को यौन शोषण से बचाने के लिए और भी सख्त पोक्सो जैसा कानून बना। उन अधिनियमों का तजुर्बा क्या है? क्या उनसे जुर्म पर काबू पाने में तनिक भी मदद मिली? ऐसा ना होना दो प्रमुख वजहों से हुआ है। एक तो अपने देश में कानून के मुताबिक सजा सुनिश्चित करने वाली आपराधिक न्याय व्यवस्था बेहद लचर है, इसलिए अच्छे इरादों के बावजूद ठोस परिणाम हासिल नहीं होते। दूसरे, जिन समस्याओं की जड़ें समाज के आर्थिक और सांस्कृतिक ढांचे में हों, उनका समाधान महज कानून बना कर नहीं किया जा सकता। लेकिन इन गंभीर और मुश्किल सवालों से उलझने का साहस ना हो, तो फिर हर वीभत्स घटना पर राजनीतिक दिखावा ही एकमात्र रास्ता बच जाता है। यही रास्ता ममता बनर्जी की सरकार ने अपनाया है। चूंकि विपक्ष- खासकर भारतीय जनता पार्टी के लिए भी कोलकाता की घटना सिर्फ राजनीतिक लाभ हासिल करने का जरिया है, अतः उसके पास भी कोई सार्थक सुझाव नहीं है। इसीलिए पार्टी ने विधेयक का समर्थन किया है।

भाजपा और आरएसएस के बीच अंदरूनी मनमुटाव

भारत के मौजूदा सत्तारूढ़ खेमों में इस बात को लेकर अच्छी खासी चर्चा है कि ऐसी क्या खास वजह पैदा हो गई। जिससे देश पर राज कर रही भारतीय जनता पार्टी और उसके कथित संरक्षक संगठन राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ (आर.एस.एस.) के बीच अंदरूनी मनमुटाव की स्थिति पैदा हो गई और जिसके कारण भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष को संघ की राष्ट्रीय समन्वयक बैठक में यह कहना पड़ कि- भाजपा को संघ की अब कोई जरूरत नहीं है, अब भाजपा हर तरीके से अपने आपमें सक्षम और आत्मनिर्भर है। भाजपाध्यक्ष के इस बयान की देश के राजनीतिक क्षेत्रों में अच्छी खासी चर्चा है और कथन को लेकर मौजूदा और भविष्य के कयासों पर अटकलें तेज है। भाजपाध्यक्ष के इस बयान से संघ स्वयं वाली विस्मित है तथा अब वह अपनी अगली रणनीति को लेकर सजग व सक्रिय हो गया है, संघ प्रमुख केरल के पलक्कड में सम्पन्न इस सम्मेलन के बाद काफी चिंतित और सक्रिय हो गए है, उन्होंने पिछले कुछ दिनों में अपने विश्वस्तों के साथ कई बार गंभीर मंत्रणाएं भी की है। अब भाजपाध्यक्ष जगतप्रकाश नड्डा के इस तल्खी भरे बयन के राजनीतिक क्षेत्रों में कई अर्थ निकाले जा रहे है, संघ इस बात को लेकर चिंतित है कि प्रधानमंत्री की मौन स्वीकृति के बिना नड्डा जी ऐसा बयान दे नही सकते और मोदी जी की संघ के प्रति यह मुद्रा क्यों है? यह किसी के भी समझ में नही आ रहा है। भाजपाध्यक्ष ने यह बयान संघ के करीब दस दिन पहले केरल के पलक्कड़ शहर में हुए सम्मेलन में दिया था, बयान तिथि से अब तक के दस दिन के समय में भाजपाध्यक्ष के इस बयान की काफी राजनीतिक सर्जरी हो चुकी है और वह अभी भी जारी है, इस कारण भाजपा और संघ दोनों में ही खलबली मची हुई है। अब ऐसे मौके पर राजनीतिक प्रेक्षकों को मोदी का राजनीतिक इतिहास याद आ रहा है, जब मोदी के गुजरात के मुख्यमंत्री रहते हुए दंगों के बाद अटल जी का सार्वजनिक रूप से मोदी से की गई तल्खी भरी बातचीत और मोदी की दो टूक सफाई इसके साथ ही मुख्यमंत्री के रूप में मोदी के इस समय हुए दिल्ली दौरों और अटल-अड़वानी की तत्कालीन राजनीतिक भूमिका व मोदी के प्रति बर्ताव भी इन दिनों राजनीतिक क्षेत्रों में समीक्षा का विषय बना हुआ है और आज प्रधानमंत्री की संघ के प्रति तल्खी को उसी संदर्भ में जांचा परखा जो निकलेगें वे सार्वजनिक हो पाएगें या नही? यह तो फिलहाल कहना मुश्किल है।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघः सेवा के सौ वर्षों की स्वर्णिम यात्रा

हृदयनारायण दीक्षित

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ 100 बरस का होने जा रहा है। संघ संप्रति दुनिया का सबसे बड़ा स्वयंसेवी संगठन है। दुनिया का कोई भी देश ऐसा स्वयंसेवी संगठन नहीं बना पाया। डॉ. हेडगेवार ने इसकी स्थापना विजयदशमी (सन 1925) के दिन की थी। तबसे अब तक हजारों झंझावात झेलते हुए संघ लगातार सक्रिय है। संघ की कार्य पद्धति विशिष्ट है, इसके बारे में कम लोग जानते होंगे। कई स्वयंभू विद्वान संघ को ब्रेनवाश कर देने वाला संगठन मानते हैं। कई इसे सांप्रदायिक भी कहते हैं। केवल कहते ही नहीं संघ का विरोध करने के लिए हिन्दू विरोधी तमाम घटनाओं में संघ की साजिश बताते हैं, लेकिन संघ अपने सेवा कार्यों में संलग्न रहता है। सो डॉ. हेडगेवार द्वारा रोपा गया बीज अब विराट वृक्ष बन गया है। संघ और भाजपा के रिश्तों पर बहसें चलती हैं। तब भाजपा का नाम जनसंघ था। देश की राजनीति में तुष्टिकरण था। अंतरराष्ट्रीय परिस्थितियों के दबाव में ब्रिटिश प्रधानमंत्री एटली ने भारतीय स्वाधीनता की घोषणा (20-2-1947) की। मुस्लिम लीग की अलग मुल्क की मांग पर युद्ध जैसी आक्रामकता थी। कट्टरपंथी अलगाववाद को तुष्टिकरण का पुष्टाहार मिला। देश बंट गया। हजारों हिन्दू मारे गए। महात्मा गांधी की भी हत्या हुई। संघ पर प्रतिबंध लगा। पाकिस्तानी कबाइली हमला (1948) हुआ। तत्कालीन राजनैतिक दल व नेता राष्ट्रवाद से दूर थे। हिन्दुओं के मर्म से दूर थे। एक राष्ट्रवादी दल की आवश्यकता थी। श्री गुरुजी की प्रेरणा से भारतीय जनसंघ की स्थापना (1951) हुई। जम्मू कश्मीर के दो निशान, दो प्रधान, दो विधान का विरोध, गोवध निषेध और समान नागरिक कानून जैसे राष्ट्रवादी मुद्दे गरमाए। सरसंघचालक गुरु जी ने गोवध निषेध व हिन्दू श्रद्धा स्थान को नष्ट करने की प्रवृत्ति पर लिखते (1952) हुए कहा, ''गाय अनादि काल से आराध्य है। समाज विजेता के उन्माद में पराजित जाति को अपमानित करते हुए श्रद्धा स्थानों को नष्ट करना, धन, मान लूटना, मानो विजय आनन्द लेना है।'' तिब्बत पर चीनी कब्जा हुआ, गुरु जी ने इसे हृदय विदारक (18 मई 1959) बताया। भारत पर चीन का हमला 1962 में हुआ था। तत्कालीन सरसंघचालक ने दिल्ली में कहा था, ''सेना के लोगों को प्रोत्साहन देना चाहिए। उनके परिवारों की सहायता करनी चाहिए। जाति, भाषा और राजनीति सहित सभी मतभेदों को हृदय से हटाएं। हमारा समूचा राष्ट्र और उसके सामने खड़ा शत्रु, केवल इतना ही ध्यान में रखें।'' संघ चीन युद्ध के दौरान सरकार के साथ था। राजनैतिक दलों व संघ के ध्येय व लक्ष्यों में भी अंतर है। संघ की दृष्टि में पृथ्वी माता है। भारत माता है। संघ के लोग इसी सेवा में निस्वार्थ भाव से जुटे हैं। संघ के स्वयंसेवकों ने स्वाधीनता संग्राम में हिस्सा लिया था। लेकिन राहुल गांधी ने संघ के सम्बंध में अपनी समझ में एक मजेदार टिप्पणी की है। उनकी इस टिप्पणी की खासी चर्चा है। उन्होंने कहा है कि, ''राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ कुछ मतों व भाषाओं को कमतर आंकता है। राहुल गांधी की टिप्पणी निराधार है। राहुल गांधी ने कुछ समय पहले संघ को समझने का प्रयास किया था। उन्होंने कहा था कि संघ से सीधी लड़ाई लड़ने के लिए उपनिषद् और गीता पढ़ेंगे। आलोचना बुरी नहीं होती। प्रत्येक व्यक्ति और संगठन को आलोचना का अधिकार है। लेकिन संघ कार्य पारदर्शी है। कह सकते हैं कि संघ एक ओपन यूनिवर्सिटी है। राष्ट्र का सर्वांगीण विकास व अभ्युदय के लिए संघ के स्वयंसेवक सदा तत्पर रहते हैं। नासमझी में अनेक सुशिक्षित विद्वान भी संघ के आलोचक हैं। तुष्टिकरणवादी वोट बैंक के कारण संघ की निंदा करते हैं। राष्ट्रीय स्तर के एक वरिष्ठ पत्रकार खुशवंत सिंह से द्वितीय सरसंघचालक म. स. गोलवलकर की भेंट हुई थी। उनसे मिलने के बाद खुशवंत सिंह ने लिखा था, ''कुछ लोग ऐसे होते हैं जिनको बिना समझे ही हम घृणा करते हैं। ऐसे लोगों की मेरी सूची में गुरु गोलवलकर प्रथम थे।'' खुशवंत सिंह ने 'आरएसएस एंड हिन्दू मिलिटरिज्म' के हवाले से कई सवाल पूछे। ईसाइयों के सम्बंध में पूछे गए सवाल के जवाब में गुरु जी ने कहा, ''धर्मांतरित करने के तरीकों के अलावा हमारा उनसे कोई विरोध नहीं है।'' मुसलमानों के बारे में कहा कि, ''मुसलमानों को भारतीयता के प्रवाह में मिल जाना चाहिए।'' ईरानी मूल के पत्रकार डॉ. जिलानी से कहा, ''पाकिस्तान ने पाणिनि की

5000वीं जयंती मनाई है। पाणिनि पूर्वज हैं। भारत के मुसलमान पाणिनि, व्यास और वाल्मीकि आदि को महान पूर्वज क्यों नहीं मानते? भारतीय राष्ट्रवाद प्राचीन धारणा है। यहां राष्ट्र संस्कृति आधारित है। इस राष्ट्रवाद के स्रोत वैदिक वांगमय में हैं। ऋग्वेद, अथर्ववेद में राष्ट्र शब्द की आवृत्ति कई बार हुई है। स्वयंभू विद्वान स्वाधीनता संग्राम के दौरान विकसित राष्ट्रभाव को अलग मानते हैं और सनातन राष्ट्रवाद को कमतर। स्वाधीनता आंदोलन हर तरह से प्रत्येक भारतवासी को प्रिय है। स्वाधीनता आंदोलन के आदर्श व मूल्य आदर योग्य हैं। दुर्भाग्य से भारत को आजादी मिलने के बाद नए सत्ताधीश राष्ट्रवाद से पृथक हो गए। बंकिम चन्द्र चटर्जी द्वारा लिखी गई अंतरराष्ट्रीय ख्याति की कविता 'वंदे मातरम' के एक हिस्से को संविधान सभा ने राष्ट्रगीत घोषित किया था। लेकिन स्वाधीनता के बाद अनेक पंथिक मजहबी संस्थाओं ने वंदे मातरम गाने से इनकार किया, लेकिन संघ के कार्यक्रमों में वंदे मातरम प्रशंसा पूर्वक गाया जाता है। आज भारत के कोने-कोने में वंदे मातरम का गान होता है। वंदे मातरम गाने से इनकार करने वाले संगठन अकड़ते रहे। संघ ने सबको साथ लेते हुए भारतीय राष्ट्रवाद को सर्वोपरि बताया है। सांस्कृतिक प्रतीकों को सम्मान देने की परंपरा संघ ने यत्र तत्र सर्वत्र प्रसारित की। संघ की सांगठनिक क्षमता बड़ी है। उच्च शिक्षित युवा संघ कार्य को राष्ट्रीय दायित्व मानते हैं। वे उच्च शिक्षा से प्राप्त अवसरों की चिन्ता नहीं करते। वे घर परिवार छोड़कर संघ कार्य में जुटते हैं। वे संघ का अनुशासन मानते हैं और देश के लिए काम करते हैं। संघ राजनैतिक दल की तरह मेम्बरी नहीं कराता। संघ के पास सैकड़ों पूर्णकालिक कार्यकर्ता हैं। दुनिया का कोई भी देश ऐसे सुशिक्षित समर्पित कार्यकर्ताओं का स्वयंसेवी संगठन नहीं बना पाया। आने वाली विजयादशमी के दिन संघ 100 बरस का हो जाएगा। संघ शाखा पर प्रार्थना में लक्ष्य सुस्पष्ट हैं- परं वैभवं नेतुमेतत् स्वराष्ट्रं, समर्था भवत्वाशिषा ते भृशम्-यहां राष्ट्र का परम वैभव ही संघ का लक्ष्य है। संघ के कार्यकर्ता सुबह उठते ही भारत भक्ति स्तोत्र पढ़ते हैं। इस स्तोत्र में अनेक महापुरुषों के मध्य डॉक्टर अम्बेडकर को भी प्रणाम किया गया है। जाति-पाति, पथ, मत और मजहब से भिन्न राष्ट्र की सर्वोपरिता संघ की मान्यता है। संघ कार्य देश के सनातन विचार प्रवाह का हिस्सा है। राष्ट्रवाद से ओत-प्रोत कार्यकर्ताओं का निर्माण होता रहता है। संघ राष्ट्रवादी संस्कार देने के काम में संलग्न है।

जन्म के रुदन की भी भाषा है हिंदी!

डॉ. श्रीगोपाल नारसन

हिंदी सबसे अधिक बोली जाने वाली संसार की तीसरी भाषा है। भारत के साथ मॉरीशस, युगांडा, गुयाना, अमेरिका, ब्रिटेन, जर्मनी, न्यूजीलैंड, पाकिस्तान, नेपाल, बांग्लादेश, सूरीनाम, त्रिनिदाद, साउथ अफ्रीका में हिंदी बोलने व हिंदी में लिखने वालों की संख्या बढ़ी है। अमेरिका, यूरोपीय, एशियाई व खाड़ी के देशों में भी हिन्दी का निरन्तर विकास हुआ है। रूस के कई विश्वविद्यालयों में हिन्दी साहित्य में शोध हुआ है। हिन्दी साहित्य में जितना अनुवाद रूस ने कराया, उतना किसी अन्य भाषा के साहित्य का नहीं कराया गया। यह हिंदी के प्रति बढ़ते रुझान का प्रमाण है। हम हिंदी को मात्र भारत की भाषा तक सीमित नहीं रख सकते। 'अ', 'आ','इ', 'ई','ओ','उ' आदि हिंदी के अक्षरों में जो स्वर ध्वनि उनके उच्चारण से प्रकट होती है, वही ध्वनि नवजात शिशु के रुदन से भी प्रकट होती है। संसार के सभी नवजातों के रुदन की ध्वनि एक ही प्रकार की है। इसलिए हम कह सकते हैं कि हिंदी हर मनुष्य के जन्म की भाषा है। अपने देश की विभिन्न भाषाओं में सबसे प्रभावी किसी एक भाषा को चुन कर उसे राष्ट्रीय अस्मिता का आवश्यक उपादान समझते हुए जब सम्मान व आत्मसात किया जाता है तो वही भाषा राष्ट्रीय स्तर पर स्वीकार्य हो जाती है। चूंकि स्वतंत्रता संग्राम के दौरान हिंदी स्वाधीनता सेनानियों के सम्पर्क की भाषा रही, इसीलिए हिंदी राष्ट्रभाषा कहलाई। वास्तव में 'राष्ट्रभाषा' शब्द कोई संवैधानिक शब्द नहीं है, बल्कि यह एक व्यावहारिक व जनमान्यता प्राप्त शब्द है। हिंदी जिसे हम राष्ट्रभाषा मानते हैं, सामाजिक, सांस्कृतिक स्तर पर देश को जोड़ने का काम करती है। इसकी प्राथमिकता देश में विभिन्न समुदायों के बीच भावनात्मक एकता स्थापित करना भी है। राष्ट्रभाषा हमेशा स्वभाषा ही हो सकती है क्योंकि उसी के साथ जनता का भावनात्मक लगाव होता है। राष्ट्रभाषा का स्वरूप लचीला होता है और इसे जनता के अनुरूप किसी रूप में ढाला जा सकता है। भारत में हिंदी दीर्घकाल से जन-जन के पारस्परिक सम्पर्क की भाषा रही है। यह केवल उत्तर भारत ही नहीं, दक्षिण भारत के आचार्यों वल्लभाचार्य, रामानुज, रामानंद, शंकराचार्य आदि ने भी इसी भाषा के माध्यम से अपने मतों का प्रचार किया था। अहिंदी भाषी राज्यों के भक्त-संत कवियों जैसे, असम के शंकरदेव, महाराष्ट्र के ज्ञानेश्वर व नामदेव, गुजरात के नरसी मेहता, बंगाल के चैतन्य आदि ने इसी भाषा को अपने धर्म और साहित्य का माध्यम बनाया था। जनता और सरकार के बीच संवाद स्थापना के क्रम में जब फ़ारसी या अंग्रेज़ी के माध्यम से परेशानी हुई तो अंग्रेजों ने फ़ोर्ट विलियम कॉलेज में हिंदी विभाग खोल कर अधिकारियों को हिंदी सिखाने की व्यवस्था की। यहाँ से हिंदी पढ़े हुए अधिकारियों ने भिन्न-भिन्न क्षेत्रों में उसका प्रत्यक्ष लाभ देकर मुक्त कंठ से हिंदी को सराहा। सी. टी. मेटकाफ़ ने 1806 ई. में अपने गुरु जॉन गिलक्राइस्ट को लिखा-'भारत के जिस भाग में भी मुझे काम करना पड़ा, कलकत्ता से लेकर लाहौर तक, कुमाऊँ के पहाड़ों से लेकर नर्मदा नदी तक मैंने उस भाषा का आम व्यवहार देखा है, जिसकी शिक्षा आपने मुझे दी है। मैं कन्याकुमारी से लेकर कश्मीर तक या जावा से सिंधु तक इस विश्वास से यात्रा करने की हिम्मत कर सकता हूँ कि मुझे हर जगह ऐसे लोग मिल जाएँगे जो हिन्दुस्तानी बोल लेते होंगे।' टॉमस रोबक ने 1807 ई. में लिखा-'जैसे इंग्लैण्ड जाने वाले को लैटिन सेक्सन या फ़्रैंच के बदले अंग्रेज़ी सीखनी चाहिए, वैसे ही भारत आने वाले को अरबी-फ़ारसी या संस्कृत के बदले हिन्दुस्तानी यानि हिंदी सीखनी चाहिए।' विलियम केरी ने 1816 ई. में लिखा- 'हिंदी किसी एक प्रदेश की भाषा नहीं बल्कि देश में सर्वत्र बोली जाने वाली भाषा है।' एच. टी. कोलब्रुक ने लिखा-'जिस भाषा का व्यवहार भारत के प्रत्येक प्रान्त के लोग करते हैं, जो पढ़े-लिखे तथा अनपढ़ दोनों की साधारण बोलचाल की भाषा है, जिसको प्रत्येक गाँव में थोड़े बहुत लोग अवश्य ही समझ लेते हैं, उसी का यथार्थ नाम हिंदी है।' जार्ज ग्रियर्सन ने हिंदी को 'आम बोलचाल की महाभाषा' कहा है। हिंदी की व्यावहारिक उपयोगिता, देशव्यापी प्रसार एवं प्रयोगगत लचीलेपन के कारण अंग्रेज़ों ने हिंदी को अपनाया। उस समय हिंदी और उर्दू को एक ही भाषा माना जाता था। अंग्रेज़ों ने हिंदी को प्रयोग में लाकर हिंदी की महती संभावनाओं की ओर राष्ट्रीय नेताओं एवं साहित्यकारों का ध्यान खींचा था। ब्रह्म समाज के संस्थापक राजा राममोहन राय ने सन 1828 में कहा, इस समग्र देश की एकता के लिए हिंदी अनिवार्य है। ब्रह्मसमाजी केशव चंद्र सेन ने 1875 ई. में एक लेख लिखा, भारतीय एकता कैसे हो, 'जिसमें उन्होंने लिखा- उपाय है सारे भारत में एक ही भाषा का व्यवहार। अभी जितनी भाषाएँ भारत में प्रचलित हैं, उनमें हिंदी भाषा लगभग सभी जगह प्रचलित है। यह हिंदी अगर भारतवर्ष की एकमात्र भाषा बन जाए तो यह काम सहज और शीघ्र ही सम्पन्न हो सकता है। एक अन्य ब्रह्मसमाजी नवीन चंद्र राय ने पंजाब में हिंदी के विकास के लिए स्तुत्य योगदान दिया। आर्य समाज के संस्थापक स्वामी दयानंद सरस्वती गुजराती भाषी थे एवं गुजराती व संस्कृत के अच्छे जानकार थे। हिंदी का उन्हें सिर्फ़ कामचलाऊ ज्ञान था, पर अपनी बात अधिक से अधिक लोगों तक पहुँचाने के लिए तथा देश की एकता को मज़बूत करने के लिए उन्होंने अपना सारा धार्मिक साहित्य हिंदी में ही लिखा। उनका कहना था कि हिंदी के द्वारा सारे भारत को एक सूत्र में पिरोया जा सकता है। वे इस 'आर्यभाषा' को सर्वात्मना देशोन्नति का मुख्य आधार मानते थे। उन्होंने हिंदी के प्रयोग को राष्ट्रीय स्वरूप प्रदान किया। वे कहते थे, 'मेरी आँखें उस दिन को देखना चाहती हैं, जब कश्मीर से कन्याकुमारी तक सब भारतीय एक भाषा समझने और बोलने लग जाएँगे।' महर्षि अरविन्द घोष की सलाह थी कि 'लोग अपनी-अपनी मातृभाषा की रक्षा करते हुए सामान्य भाषा के रूप में हिंदी को ग्रहण करें।' एनी बेसेंट ने कहा था, "भारतवर्ष के भिन्न-भिन्न भागों में जो अनेक देशी भाषाएँ बोली जाती हैं, उनमें एक भाषा ऐसी है जिसमें शेष सब भाषाओं की अपेक्षा एक भारी विशेषता है, वह यह कि उसका प्रचार सबसे अधिक है। वह भाषा हिंदी है। हिंदी जानने वाला आदमी सम्पूर्ण भारतवर्ष में यात्रा कर सकता है और उसे हर जगह हिंदी बोलने वाले मिल सकते हैं। भारत के सभी स्कूलों में हिंदी की शिक्षा अनिवार्य होनी चाहिए।" सन 1885 ई. में स्थापित कांग्रेस का राष्ट्रीय आंदोलन जैसे-जैसे ज़ोर पकड़ता गया, वैसे-वैसे राष्ट्रीयता, राष्ट्रीय झण्डा एवं राष्ट्रभाषा के प्रति आग्रह बढ़ता ही गया। 1917 में लोकमान्य बाल गंगाधर तिलक ने कहा, "मैं उन लोगों में से हूँ, जो चाहते हैं और जिनका विचार है कि हिंदी ही भारत की राष्ट्रभाषा हो सकती है।" तिलक ने भारतवासियों से आग्रह किया कि वे हिंदी सीखें। महात्मा गाँधी राष्ट्र के लिए राष्ट्रभाषा को नितांत आवश्यक मानते थे। उनका कहना था, "राष्ट्रभाषा के बिना राष्ट्र गूंगा है।" गाँधीजी हिंदी के प्रश्न को स्वराज का प्रश्न मानते थे- "हिंदी का प्रश्न स्वराज्य का प्रश्न है।" सन 1927 में सी. राजगोपालाचारी ने दक्षिण वालों को हिंदी सीखने की सलाह दी और कहा, "हिंदी भारत की राष्ट्रभाषा तो है ही, यही जनतंत्रात्मक भारत में राजभाषा भी होगी।" 1929 में सुभाषचंद्र बोस ने कहा, "प्रान्तीय ईर्ष्या-द्वेष को दूर करने में जितनी सहायता इस हिंदी प्रचार से मिलेगी, उतनी दूसरी किसी चीज़ से नहीं मिल सकती। अपनी प्रान्तीय भाषाओं की भरपूर उन्नति कीजिए, उसमें कोई बाधा नहीं डालना चाहता और न हम किसी की बाधा को सहन ही कर सकते हैं।

मेष राशिः आज का दिन आपके लिए व्यस्तता से भरा रहने वाला है। ज्यादा व्यस्त रहने के कारण आप अपने आस पास ध्यान नहीं दे पाएंगे। अपनों के प्रति प्रेम और विश्वास बढ़ेगा। सभी क्षेत्रों में आप अच्छा प्रदर्शन करेंगे। आप परिवार के सदस्य की अपेक्षाओं पर खरे उतरेंगे। रचनात्मक कार्य में आप सूझ- बूझ से आगे बढ़ेंगे। आपके घर आज किसी अतिथि का आगमन होने से माहौल खुशनुमा रहेगा।

वृष राशिः आज का दिन आपके लिए ठीक-ठाक रहने वाला है। आज किसी भी कानूनी मामलों में जल्दबाजी न दिखाएं। अपने खर्चों पर नियंत्रण बनाए रखेंगे तो भविष्य में आने वाली परेशानियों से भी बच जायेंगे। किसी नए काम की शुरुआत करना चाह रहे हैं तो दिन शुभ है आप कर सकते हैं आपको काम में सफलता मिलने के अच्छे योग हैं। दान धर्म के कार्य में बढ़-चढ़कर हिस्सा लेंगे।

मिथुन राशिःआज का दिन आपके लिए अच्छा रहने वाला है। आज आप एक से अधिक स्रोतों से आय प्राप्त करेंगे। शासन व प्रशासन के मामले में सावधानी बरतें। आज निवेश संबंधी मामलों को गति मिलेगी। आज किसी अजनबी पर बहुत ही सोच समझकर भरोसा करें। विद्यार्थियों को अपना प्रोजेक्ट पूरा करने में सफलता मिलेगी। आज आपके दांपत्य जीवन में खुशहाली बढ़ेगी।

कर्क राशिः आज का दिन फेवरेबल रहने वाला है। स्वास्थ्य के लिहाज से आज का दिन अच्छा रहेगा। आज आपके बढ़ते खर्चे परेशानी का कारण बन सकते हैं। इसीलिए बजट बनाकर चलने का प्रयास करें। किसी संपत्ति का सौदा जल्दबाजी में ना करें। राजनीतिक क्षेत्र में कार्यरत लोगों को बड़े नेताओं से मिलने का अवसर मिलेगा। कार्यक्षेत्र में आपकी उन्नति का मार्ग प्रसस्त होगा।

सिंह राशिः आज का दिन आपके लिए शुभ फलदायक रहने वाला है। आपकी योजनाओं को गति मिलेगी। आज आपकी कुछ नए लोगों से मुलाकात होगी। आज आपको बड़ों का साथ व सहयोग मिलेगा, जिससे आप अपने कार्यों को समय पर पूरा करा लेंगे। आज छात्रों को पढ़ाई में आ रही रुकावटों से छुटकारा मिलेगा। आज आप किसी मांगलिक कार्यक्रम में बढ़ चढ़कर हिस्सा लेंगे। धार्मिक कार्यों के प्रति आस्था व विश्वास से आगे बढ़ेंगे।

कन्या राशिःआज का दिन आपके लिए अनुकूल रहने वाला है। आज किसी नए काम को शुरू करने से पहले पूरी योजना बनाएंगे और साथ ही माता-पिता से सलाह लें। आज सरकारी कामों में नीति व नियमों पर पूरा ध्यान देंगे तो आपको काम करने में आसानी होगी। आज आपको आर्थिक मामलों में जल्दबाजी दिखाने से बचना होगा। अपने जरूरी कार्यों को सूची बनाकर करेंगे तो आपके कार्य पूरे होते जायेंगे।

तुला राशिः आपके लिए आज का दिन अच्छा रहने वाला है। आज आप जिम्मेदारियों को अच्छी तरह पूरा करने में सफल होंगे। ऑफिस के कामकाज निपटाने में आप बहुत हद तक सफल रहेंगे । अपनी तरफ से हर मामले पर आपको सकारात्मक रहना होगा। आज किसी पुरानी समस्याओं पर दोस्तों से बातचीत हो सकती है इससे आपको अच्छा समाधान मिलेगा । आज आपको नए इनकम सोर्स मिल सकते हैं।

वृश्चिक राशिः आज का दिन आपके लिए अच्छा रहने वाला है। आज पास के किसी धार्मिक गतिविधि में शामिल होने के योग बन रहे हैं । आज किसी मामले में दूसरों के साथ बातचीत या सलाह करने से फायदा होगा। जरूरी काम और रिश्तों के बारे में विचार करेंगे और योजना बनाएंगे। आज ऑफिस में आपको कोई नए प्रोजेक्ट पर काम करने को मिल सकता है ।

धनु राशिः आज का दिन आपके लिए आपके लिए उत्तम रहने वाला है। आज शांति से कामकाज निपटाने की कोशिश करें। आज आपको कर्ज से छुटकारा, जिससे रिलेक्स महसूस करेंगे।आज जीवनसाथी की भावनाओं को समझने में बहुत हद तक आपको सफलता मिलेगी। आज परिवार के कामों में आपका पैसा लग सकता है।

मकर राशिः आज का दिन आपके लिए बेहतर रहने वाला है। अपने से बड़े या किसी अनुभवी से सलाह लेकर ही आगे बढने की कोशिश करेंगे । आज किसी कठिन काम को मेहनत, धैर्य और समझदारी से आसानी से निपटा लेंगे। लेकिन ऑफिस में व्यस्तता के चलते घर देर से पहुंचेंगे। अगर आप जॉब बदलने की सोच रहे है तो अभी कुछ दिन रुक जायें।

कुंभ राशिःआज का दिन आपके लिए फेवरेबल रहने वाला है। अपना व्यवहार लचीला रखें और दूसरों की बातें समझने का प्रयत्न करें। आज कोई बुजुर्ग या वरिष्ठ व्यक्ति आपको सही सलाह दे सकता है। व्यापारिक मामलों में जवाबदारी बढ़ सकती है। आज आपकी आर्थिक स्थिति पहले से अच्छी होगी। छात्रों के लिए आज का दिन अच्छा रहने वाला है।

मीन राशिः आज का दिन आपके लिए दिन अच्छा है। ट्रांसफर या प्रमोशन के लिए किसी से बात हो सकती है, इसमें आपको सफलता मिलेगी। आज आपके रुके हुए काम पूरे हो जायेंगे। आज आप अपने करियर को बेहतर बनाने के लिए प्लान तैयार करेंगे। आपको आज नई नौकरी का ऑफर मिल सकता है। आय के नये-नये रास्ते मिलेंगे।

शब्द सामर्थ्य -177

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं

1. भारत के वर्तमान वित्तमंत्री 6. हित, उपकार 7. असमान, पूर्वोत्तर का एक राज्य 8. किसी वस्तु व्यक्ति आदि के पहचान सूचक संबोधन का शब्द, संज्ञा 10. शवस्थल पर बनाया गया मकान, योग का अंतिम अंग, तपस्या 13. इंकार करना, ना कहना 14. पिता, बलर्क, सम्मानीय व्यक्ति 15. आय पर लगने वाला टैक्स, इंकमटैक्स 16. प्रतिद्वंद्वी, प्रेमिका का दूसरा प्रेमी 17. परंपरा, रीति, रिवाज 20. रूप से युक्त, चिह्न, लक्षण, नाटक, एक साहित्यिक अलंकार 23. लोग, प्रजा 25. नामी, नामवर, प्रसिद्ध 27. संसार का स्वामी, बादशाह, सम्राट, ईश्वर 28. फैलाना, खिंचाव पैदा करना।

ऊपर से नीचे

1. मारना, प्रहार करना, आघात करना 2. मिथ्याअभिमान, आडंबर 3. विपत्ति, आफत 4. मालदार, धनवान, अमीर 5. ज्ञान प्राप्त करना, अनुमान लगाना, कल्पना करना 7. हक 9. विवश, लाचार 11. मानकंद, नापने का पैमाना 12. अपमानित और तिरस्कृत 17. संतान उत्पन्न करने की क्रिया, जन्म देने की क्रिया 18. लंबे कपड़े का गट्ठा, पशुओं को रखने की जगह 19. जलयान, वायुयान, जलपोत 21. आश्रय, सहारा 22. थोड़ा, जरा, तनिक 24. जुर्म, गुनाह 26. बाघ की तरह का धारीदार हिंसक एवं विशाल पशु।

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 176 का हल

भू	कं	प	■	फा	य	दा	■	स
प	■	ल	ला	ट	■	य	ती	म
ति	ल	क	■	क	न	क	■	झ
■	क्ष	■	■	■	रे	■	■	■
ग	ण	क	■	सं	श	य	■	सौ
ह	■	या	च	क	■	म	न्न	त
रा	क्ष	स	■	र	क्ष	क	■	न
■	त्रि	■	■	■	मि	■	■	■
शा	य	री	■	का	त	र	■	गो

सूडोकु नवताल- 7188

★ ☆ ☆ ☆ ☆ सरल

5	9			3			8	7
8	7		1		5			
		2			9			4
	6				2		3	5
3	8		4	1	7		2	9
2	4		6				1	
7			3			8		
			5		8		7	3
9	3			2			6	1

Jagranjosh.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -7187 का हल

7	4	8	3	9	2	1	5	6
2	6	9	5	7	1	8	4	3
3	1	5	4	8	6	7	2	9
5	7	4	8	6	9	3	1	2
8	9	1	2	3	4	6	7	5
6	3	2	1	5	7	4	9	8
4	8	7	6	2	5	9	3	1
9	2	6	7	1	3	5	8	4
1	5	3	9	4	8	2	6	7

प्रकाशक एवं स्वामी सागर सूरज, द्वारा सरोतर निवास, राजाबाजार-कचहरी रोड, मोतिहारी, बिहार-845401 से प्रकाशित व प्रकाश प्रेस मोतिहारी से मुद्रित, संपादक-सागर सूरज* फोन न.9470050309 प्रसारः-9931408109 ईमेलः-bordernewsmirror@gmail.com वेबसाइटः-bordernewsmirror.com (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार) RNI. N. BIHBIL/2022/88070

कृषि वैज्ञानिक बनकर संवारें भविष्य

भारत विश्व के प्रमुख कृषि प्रधान देशों में से एक है। देश के आर्थिक विकास में इसकी महत्वपूर्ण भूमिका है। कृषि विज्ञान–आधारित, उच्च–प्रौद्योगिकीय क्षेत्र है तथा इससे संबंधित रोजगार की व्यापक संभावनाएं हैं। ये हैं – पशु और पादप शोधकर्ता, खाद्य वैज्ञानिक, वस्तु ब्रोकर, पोषणविद, कृषि पत्रकार, बैंकर्स, बाजार विश्लेषक, बी व्यावसायिक, खाद्य संसाधक, वन प्रबंधक, वन्यजीव विशेषज्ञ आदि। कृषि अनुसंधान और शिक्षा कृषि विश्वविद्यालयों, संस्थानों तथा कृषि शिक्षा और पशुचिकित्सा विज्ञान महाविद्यालयों द्वारा संचालित की जाती है।

कृषि विज्ञान एक व्यापक बहुविषयक क्षेत्र है, जिसमें प्राकृतिक, आर्थिक और सामाजिक विज्ञान हिस्से हैं, जिन्हें कृषि के व्यवहार तथा इसे समझने के लिए प्रयोग किया जाता है। इस क्षेत्र में निम्नलिखित पर अनुसंधान एवं विकास कार्य किए जाते हैं– उत्पादन तकनीकें (जैसे कि, सिंचाई प्रबंधन, अनुशंसित नाइट्रोजन इनपुट्स) गुणवत्ता और मात्रा की दृष्टि से कृषि उत्पादन में सुधार (जैसे कि सूखा झेलने वाली फसलों तथा पशुओं का चयन, नए कीटनाशकों का विकास, खेती–संवेदन प्रौद्योगिकियां, फसल वृद्धि के सिमुलेशन मॉडल, इन–वाइट्रो सैल कल्चर तकनीकें) प्राथमिक उत्पादों का अंतिम–उपभोक्ता उत्पादों में परिवर्तन (जैसे कि डेरी उत्पादों का उत्पादन, संरक्षण और पैकेजिंग) विपरीत पर्यावरणीय प्रभावों की रोकथाम तथा सुधार (जैसे कि मृदा निम्नीकरण, कचड़ा प्रबंधन, जैव–पुनः उपचार) सैद्धान्तिक उत्पादन पारिस्थितिकी, फसल उत्पादन मॉडलिंग से संबंधित परंपरागत कृषि प्रणालियां, कई बार इसे जीविका कृषि भी कहा जाता है, जो विश्व के सर्वाधिक गरीब लोगों का भरण–पोषण करती है। ये परंपरागत पद्धतियां काफी रुचिकर हैं क्योंकि कई बार ये औद्योगिक कृषि की बजाए यादा प्राकृतिक पारिस्थितिकी व्यवस्था के साथ समाकलन का स्तर कायम रखती हैं जो कि कुछ आधुनिक कृषि प्रणालियों की अपेक्षा यादा दीर्घकालिक होती हैं।

कृषि वैज्ञानिकों के विशेषज्ञता के क्षेत्र के अनुरूप उनके द्वारा किए जाने वाले कार्यों की प्रकृति में भिन्नता रहती है।

खाद्य विज्ञान – खाद्य वैज्ञानिक या प्रौद्योगिकीविद सामान्यतः खाद्य संसाधन उद्योग, विश्वविद्यालयों या संघीय सरकार में नियुक्त किए जाते हैं। वे स्वास्थ्यपरक, सुरक्षित

और सुविधाजनक खाद्य उत्पादों की उपभोक्ताओं की मांग को पूरा करने में मदद करते हैं।

पादप विज्ञान – पादप विज्ञान में कृषि विज्ञान, फसल विज्ञान, कीट–विज्ञान तथा पादप प्रजनन को शामिल किया गया है।

मृदा विज्ञान– इसके अंतर्गत काम करने वाले व्यक्ति पौधें या फसल विकास से जुड़ी मिट्टी के रासायनिक, भौतिकीय, जैविकीय तथा खनिजकीय संयोजन का अध्ययन करते हैं। वे उर्वरकों, जुताई के तरीकों और फसल चम को लेकर विभिन्न प्रकार की मिट्टी के प्रत्युत्तरों का अध्ययन करते हैं।

पशुविज्ञान– पशु वैज्ञानिकों का कार्य है मांस, कुक्कुट, अण्डों तथा दूध् के उत्पादन तथा प्रोसेसिंग के बेहतर और अधिक कारगर तरीकों का विकास करना। डेयरी वैज्ञानिक, पशु प्रजनक तथा अन्य संबद्ध वैज्ञानिक घरेलू फार्म पशुओं के आनुवंशिकी, पोषण, प्रजनन, विकास तथा उत्पादन से जुड़े अध्ययन करते हैं।

प्रशिक्षण, अन्य योग्यताएं –

कृषि वैज्ञानिकों के प्रशिक्षण की अपेक्षाएं उनके विशेषज्ञता क्षेत्र तथा किए जाने वाले कार्यों की प्रकृति पर निर्भर करती है।

अनुप्रयुक्त अनुसंधान के लिए या मौलिक अनुसंधान में सहायता के लिए कृषि विज्ञानों में बैचलर डिग्री पर्याप्त होती है लेकिन मौलिक अनुसंधान के वास्ते मास्टर्स या डॉक्टरल डिग्री अपेक्षित होती है। कॉलेज शिक्षण और प्रशासनिक अनुसंधान पदों में प्रगति के लिए सामान्यतः कृषि विज्ञान में पी–एच.डी. डिग्री अपेक्षित होती है।

कृषि विज्ञान में बी.ई. करने के इच्छुक उम्मीदवारों के लिए मौलिक पात्रता मानदंड भौतिकी, रसायन शास्त्र, गणित और वरीयतन जीव–विज्ञान विषयों के साथ 10+2 है। एक सुयोग्य कृषि इंजीनियर बनने के लिए किसी के भी पास कृषि इंजीनियरी में स्नातक डिग्री (बी.ई.बी.टेक) या कम से कम डिप्लोमा होना चाहिए। अनुसंधान के क्षेत्रों में कोई भी व्यक्ति कृषि अनुसंधान वैज्ञानिक (एआरएस) बन सकता है। इन पदों पर भर्ती संयुक्त प्रवेश परीक्षा के जरिए की जाती है। एआरएस नेट पी–एच.डी. उत्तीर्ण करने वाले उम्मीदवारों को लेक्चरशिप तथा स्कॉलरशिप प्रदान करने हेतु आयोजित की जाती है।

दूसरा विकल्प कृषि विकास अधिकारी (एडीओ) बनने का है, जो पद खण्ड विकास अधिकारी के समकक्ष होता है। इन पदों पर भर्ती प्रवेश परीक्षा के आधार पर की जाती है।

तीसरे आपके पास निजी क्षेत्र के संगठनों में अनुसंधान वैज्ञानिक के पद पर आवेदन करने का विकल्प होता है। वहां पर आपकी सेवाएं निजी प्रयोगशालाओं में भी इस्तेमाल की जा सकती हैं। इस उद्देश्य के लिए अपेक्षित योग्यता डॉक्टरल स्तर की अर्थात पी–एच.डी. है।

बी.एससी. करने के उपरांत आप बैंकों, वित्त और बीमा कम्पनियों की नौकरियों के लिए आवेदन करने के पात्र हैं। भारतीय रिजर्व बैंक, भारतीय स्टेट बैंक और राष्ट्रीयकृत बैंक कृषि तथा संबद्ध क्षेत्रों में स्नातकोत्तरों के लिए फील्ड अधिकारियों, ग्रामीण विकास अधिकारियों तथा कृषि और परिवीक्षा अधिकारियों के पदों पर नियुक्ति हेतु विज्ञापन जारी करते हैं। इनके अलावा फार्म प्रबंधन,भूमि मूल्यांकन, ग्रेडिंग, पैकेजिंग तथा लेबलिंग के क्षेत्रों में भी रोजगार के अवसर उपलब्ध् हैं। सार्वजनिक और निजी क्षेत्र, दोनों में भी विपणन और बी, परिवहन, फार्म उपयोगिता, भण्डारण आदि के क्षेत्र में रोजगार उपलब्ध् कराया जाता है।

कृषि विज्ञान में पाठ्यक्रम संचालित करने वाले संस्थान

- अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय ः कृषि केंद्र, अलीगढ़–202002 (उ.प्र.)
- चौ. चरण सिंह विश्वविद्यालय (उ.प्र.)
- डॉ. पंजाबराव देशमुख कृषि विद्यापीठ कृषि इंजीनियरी संकाय, डाकघर कृषि नगर, अकोला–444104
- गुजरात कृषि विश्वविद्यालय कृषि संकाय, सरदार कृषि नगर–385506, जिला बनासकांठा (गुजरात)
- इंदिरा गाँधी कृषि विश्वविद्यालय कृषक नगर, रायपुर–492006 (छत्तीसगढ़)
- जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय कृषि इंजीनियरी संकाय, कृषि नगर, अगरतला, जबलपुर–482004
- केरल कृषि विश्वविद्यालय कृषि संकाय, वेल्लानिकाड़ा, त्रिशूर–680654 (केरल)
- उड़ीसा कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्व–विद्यालय कृषि संकाय, भुवनेश्वर, खुर्दा–751003 (उड़ीसा)।

बिजली की निगरानी का कारोबार

जब बादल गरजने लगते हैं तो स्टीफन थर्न की नजरें तुरंत अपने कम्प्यूटर पर गड़ जाती हैं। यह इलैक्ट्रीकल इंजीनियर तुरंत जानना चाहते हैं कि कहीं आसमानी बिजली गिराने वाला तूफान तो आने वाला नहीं है। उनकी तकनीक ने उन्हें कभी निराश नहीं किया है। वह बहुराष्ट्रीय इलैक्ट्रॉनिक्स कम्पनी सीमन्स की 'द लाइटनिंग सर्विस' नामक जर्मन फर्म के प्रमुख हैं जो जर्मनी में प्रतिवर्ष औसतन 10 लाख बार आसमानी बिजली के कौंधने को दर्ज करती है। फर्म का जर्मन नाम 'ब्लित्जडेन्स्ट' है। जर्मन भाषा में 'ब्लित्ज' का अर्थ बिजली कौंधना होता है। जर्मनी भर में स्थापित 16 निगरानी केंद्र देश में बिजली कौंधने की सभी घटनाओं को दर्ज करने के लिए काफी हैं। अपनी सहयोगी कम्पनियों के साथ मिल कर सीमन्स यूरोप में ऐसे कुल 150 निगरानी केंद्र चला रही है। इन आंकड़ों की जरूरत इलैक्ट्रिसिटी कम्पनियों, हवाई अड्डों, बीमा कम्पनियों एवं सार्वजनिक कार्यक्रम आयोजकों को पड़ती है जो इस सूचना के लिए फर्म को फीस देते हैं। आसमानी बिजली को दर्ज करना सरल है। इसकी हर कौंध के साथ इलैक्ट्रॉमैग्नेटिक तरंगें पैदा होकर तेज रफ्तार से सभी दिशाओं में फैल जाती हैं। आसमानी बिजली की निगरानी करने वाले केंद्र इन तरंगों को 600 किलोमीटर दूर से भी पहचान सकते हैं। स्टीफन के अनुसार इन्हें और भी दूरी से दर्ज किया जा सकता है। वह पुर्तगाल के आकाश में चमकने वाली बिजली की कौंध को जर्मनी के कार्लरुहे निगरानी केंद्र से दर्ज कर चुके हैं। जब आसमानी बिजली को कम से कम दो केंद्रों में दर्ज किया जाता है तो उनके समय तथा दूरी का आकलन करके स्थान का पता लग जाता है। जितने अधिक निगरानी केंद्र होंगे आसमानी बिजली के कौंधने के स्थान का पता उतनी ही सटीकता से लगाया जा सकता है। फिलहाल फर्म की सटीकता 200 से 700 मीटर तक है। बिजली कौंधने के स्थान में सबसे अधिक रुचि ओवरहैड पावर लाइन ऑप्रेटर्स को होती है। उनकी कोई तार टूटते ही वह जानना चाहते हैं कि इसकी वजह कहीं आसमानी बिजली का गिरना या पेड़ का गिरना तो नहीं है। यदि इलाके में बिजली गिरने की पुष्टि हो जाए तो तारों को जल्द से जल्द जोड़ा जा सकता है जबकि पेड़ गिरने की सूरत में उसे ठीक करने में अधिक समय लगता है। बीमा कम्पनियां बिजली गिरने से होने वाले नुक्सान के दावों की पड़ताल के लिए इस सूचना की मदद लेते हैं। अक्सर आसमान से गिरने वाली बिजली की वजह से सीधा नुक्सान नहीं होता है बल्कि इसकी वजह से वोल्टेज में होने वाली अत्यधिक वृद्धि के कारण होता है। इससे अढ़ाई किलोमीटर के दायरे में विद्युत उपकरणों में शॉर्ट–सर्किट हो सकता है।

जर्मनी में हर साल बिजली गिरने से होने वाले नुक्सान के 3 से 5 लाख दावे किए जाते हैं। दावों की राशि करीब 25 अरब रुपए होती है। बीमा कम्पनियां 'द लाइटनिंग सर्विस' से हासिल बिजली गिरने की घटनाओं के आंकड़ों की जांच करके तुरंत पता लगा लेती हैं कि दावा असली है या फर्जी।

वैसे फर्म केवल आसमानी बिजली की कौंध को दर्ज ही नहीं करती है, उसके आंकड़े चेतावनी जारी करने के काम भी आते हैं। कम्पनी के अनेक ग्राहक हैं जिन्हें समय रहते इलाके में बिजली चमकने या तूफान आने की पूर्व सूचना मिलती है और वे अपने बिजली के उपकरणों को बंद करके नुक्सान होने से बच जाते हैं।

महिलाएं विदेशों में जॉब के साथ-साथ बेहतर सैलरी के लिए अपनाएं यह कॅरियर

डॉक्टरों को दूसरा भगवान कहा जाता है क्योंकि मरीजों को स्वस्थ करने की जिम्मेदारी इन्हीं पर होती है लेकिन इस महत्वपूर्ण कार्य में नर्स की भूमिका को भी नकारा नहीं जा सकता है। देखा जाए तो मरीजों की देखभाल की पूरी जिम्मेदारी इनके ऊपर ही होती है। तभी तो इन्हें सभी प्यार से सिस्टर भी कहते हैं। भारतीय सिस्टर विदेश का भी रुख करने लगी हैं क्योंकि विदेशों में इन्हें जॉब के साथ–साथ बेहतर सैलरी भी मिलने लगी है।

जॉब ऑप्शन

डी.पी.एम.आई. की प्रिंसीपल डॉक्टर अरुणा सिंह के मुताबिक आप 10वीं और 12वीं करने के बाद भी नर्सिंग के कोर्स में दाखिला ले सकती हैं। इस कोर्स की सफलतापूर्वक समाप्ति के बाद आपके लिए जॉब के कई रास्ते खुल जाते हैं। दरअसल, इस क्षेत्र से जुड़े लोगों के लिए आज जॉब की कोई कमी नहीं है। आप हॉस्पिटल, नर्सिंग होम्स, क्लीनिक और हैल्थ डिपार्टमैंट, ओल्ड एज होम्स, मिलिट्री हैल्थ सर्विस, स्कूल्स, रेलवे, पब्लिक सैक्टर, मैडीकल डिपार्टमैंट आदि में कार्य कर सकते हैं।

विदेश में अवसर

यदि आप इस क्षेत्र से जुड़ी हैं तो आज यूरोपियन देशों, ऑस्ट्रेलिया, अमरीका और खाड़ी देशों में जॉब की असीम संभावनाएं मौजूद हैं। साथ ही इन देशों में आकर्षक सैलरी पैकेज के साथ ओवरटाइम भी मिलता है। यही वजह है कि भारतीय नर्स विदेश का रुख करने लगी हैं लेकिन यूरोप और अमरीका जाने के लिए सी.जी.एफ.एन.एस. (कमीशन ऑफ ग्रैजुएट ऑफ फॉरेन नर्सिंग स्कूल), टी.ओ.ई. एफ.एल. (टैस्ट ऑफ इंग्लिश एज ए फॉरेन लैंग्वेज), टी.डब्ल्यू.ई. (टैस्ट ऑफ रिटन इंग्लिश) और टी.एस.ई. (टैस्ट ऑफ स्पोकन इंगलिश) के एग्जाम के दौर से होकर जुड़ना पड़ सकता है।

सरकारी प्रयास

नर्सिंग एजुकेशन में व्यापक सुधार के लिए सरकार द्वारा करोड़ों रुपए खर्च करने की योजना है। इसके लिए हैल्थ मिनिस्ट्री ने 230 जिलों की पहचान की है जहां ऑग्जिलियर नर्स मिडवाइव्स (ए.एन.एम.) और ग्रैजुएट नर्स मिडवाइव्स (जी.एन.एम.) इंस्टीच्यूट खोला जाएगा। इसके अलावा, चार रीजनल इंस्टीच्यूट में नर्सिंग की शिक्षा को और बेहतर करने का प्रयास किया जा रहा है। सच तो यह है कि आज नर्स हैल्थ केयर सिस्टम में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं।

पारिश्रमिक

नर्स की सैलरी उनकी योग्यता और अनुभव पर भी निर्भर करती है। सरकारी अस्पतालों में सैलरी 8 हजार से 15 हजार रुपए के करीब हो सकती है। लेकिन प्राइवेट और मिलिट्री नर्सिंग में कार्य करने वालों की सैलरी ज्यादा होती है।

रंगों की दुनिया में उभरते रोजगार

रंगों की दुनिया चमक-दमक से भरी होती है। इस बहुरंगी दुनिया में रोजगार के अवसर भी उपलब्ध हैं। दुकान, मकान, घर और कल-कारखानों से लेकर हर छोटी-बड़ी जरूरतों के लिए विभिन्न प्रकार के रंगों का इस्तेमाल होता है। रंगों के क्षेत्र में पेंट इंजीनियरिंग एक आकर्षक और बेहद फायदेमंद कॅरियर है।

मोटर वाहन उद्योग, विद्युत, रसायन और हल्के इंजीनियरिंग उद्योगों में भी रंगों का उपयोग बड़े पैमाने पर होता है। इस प्रकार पेंट के उपयोग के क्षेत्रों में विस्तार होने के साथ-साथ पेंट तकनीकी का भी काफी विकास हुआ है। जिससे इस क्षेत्र में रोजगार के मौके बढ़े हैं। साथ ही हाल के वर्षों में पेंट की खपत भी बढ़ी है।

पेंट निर्माण के क्षेत्र में न केवल देशी कंपनियों में बढ़ोत्तरी हुई है बल्कि बहुराष्ट्रीय कंपनियों के साथ-साथ कच्चा माल तैयार करने वाले उद्योगों में भी रोजगार के अवसर पैदा हुए हैं। लेकिन दूसरी इंजीनियरिंग शाखाओं की अपेक्षा पेंट इंजीनियरिंग की विस्तृत जानकारी के प्रचार-प्रसार का अभाव है। यह क्षेत्र उन युवाओं के लिए अत्यधिक उपयोगी है जो इंजीनियरिंग पाठ्यक्रमों में प्रवेश नहीं मिल पाने पर निराश हो जाते हैं। इस क्षेत्र में प्रशिक्षण के लिए निम्न संस्थानों से संपर्क कर सकते हैं-

- विश्वविद्यालय डिपार्टमेंट ऑफ केमिकल टेक्नोलॉजी, नार्थ महाराष्ट्र विश्वविद्यालय, जलगांव- 425 001।
- विश्वविद्यालय डिपार्टमेंट ऑफ केमिकल टेक्नोलॉजी, अमरावती विश्वविद्यालय, महाराष्ट्र।
- जगन्नाथ रथी वोकेशनल गाइडेंस एंड ट्रेनिंग इंस्टीट्यूट फर्गसन कालेज कैम्पस के सामने बीएमसीसी, पुणे।
- इंडस्ट्रीयल रिसर्च लैबोरेटरी, कैनाल साउथ रोड, कोलकाता।
- विश्वविद्यालय डिपार्टमेंट ऑफ केमिकल टेक्नोलॉजी, नाथलाल पारीख मार्ग, माटुंगा, मुंबई।
- रीजनल इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, जमशेदपुर, झारखंड।

पोंटिंग ने ऋषभ की प्रशंसा करते हुए उसे एक महान खिलाड़ी बताया

मेलबर्न । ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान रिकी पोंटिंग ने भारतीय क्रिकेट टीम के आक्रामक विकेटकीपर-बल्लेबाज ऋषभ पंत को मैच विजेता खिलाड़ी करार दिया है। पोंटिंग ने ऋषभ की प्रशंसा करते हुए कहा कि इतने कम समय में ही इस खिलाड़ी ने जो उपलब्धियां हासिल की हैं उससे उसकी आपार क्षमताओं का पता चलता है। इस खिलाड़ी ने जिस प्रकार हार न मानते हुए भीषण कार हादसे के बाद भी शानदार वापसी की है उससे पता चलता है कि वह एक महान खिलाड़ी है। सबसे बड़ी विशेषता ये है कि वह तीनो ही प्रारुपों में एक समान रुप से बेहतरीन बल्लेबाजी करता है। साथ ही कहा कि बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी में भी उसपर सभी की नजरें रहेंगी। पिछली

हार न मानने के जज्बे से मिली जीत

बार भारत ने ऑस्ट्रेलिया में जो टेस्ट सीरीज 2-1 से जीती थी, जिसमें इस बल्लेबाज ने अहम भूमिका निभाई थी। पोंटिंग ने इस क्रिकेटर की क्षमताओं की सराहना करते हुए कहा, वह किसी भी अन्य खिलाड़ी की तरह ही एक गंभीर क्रिकेटर हैं। हमने उन्हें खेलते हुए देखा है और स्टंप माइक पर उनकी आवाज सुनी है। वह एक मजेदार और टीम के साथ घुल-मिलकर रहने वाला खिलाड़ी है पर वह सिर्फ मनोरंजन के लिए नहीं खेलता, वह एक सच्चा विजेता है। पोंटिंग ने इस विकेटकीपर की तुलना पूर्व कप्तान महेन्द्र सिंह धोनी से करते हुए कहा, इस क्रिकेटर ने अब तक 33 टेस्ट मैच खेले हैं और 5 शतक लगाये हैं। वहीं धोनी ने 90 टेस्ट मैच खेले और 6 शतक लगाए। इस प्रकार देखा जाये तो इस युवा ने इतने कम मैचों में जो हासिल किया है, वह प्रशंसा के योग्या है। वह एक गंभीर क्रिकेटर हैं और उनके प्रदर्शन से यह साफ दिखता है। पोंटिंग ने कहा कि वह कार हादसे के बाद से ही ऋषभ के लगातार संपर्क में थे। पोंटिंग उस समय दिल्ली कैपिटल्स के कोच थे। उन्होंने कहा, यह एक ऐसी वापसी है जो हैरान करती है। मैंने जब उनकी हालत देखी, तो मुझे लगा कि वह आईपीएल 2024 में नहीं खेल पाएंगे पर इस क्रिकेटर ने मुझसे कहा, 'मेरे बारे में चिंता मत करो, मैं आईपीएल के लिए ठीक हो जाऊंगा।' और वह न केवल खेले, बल्कि हर मैच में विकेटकीपिंग भी की और शानदार प्रदर्शन किया। आईपीएल के बाद टी20 विश्वकप में भी उसका प्रदर्शन काफी अच्छा रहा। पोंटिंग ने आगे कहा कि पंत ने आईपीएल 2024 में बेहतरीन प्रदर्शन किया और टी20 विश्व कप में नंबर 3 पर बल्लेबाजी की। वह अब टेस्ट टीम में वापस आ चुके हैं और भारत के लिए एक महत्वपूर्ण खिलाड़ी बने रहेंगे। पोंटिंग का मानना है कि पंत का कभी हार न मानने वाला रवैया ही उन्हें एक सच्चा विजेता बनाता है।

वॉन के सचिन पर दिये बयान को लेकर भड़के गावस्कर

मुम्बई। भारतीय क्रिकेट टीम के महान बल्लेबाज रहे सुनील गावस्कर ने इंग्लैंड के पूर्व कप्तान माइकल वॉन के इस बयान की कड़ी आलोचना की है। जिसमें वॉन ने कहा था कि जो रूट टेस्ट क्रिकेट में सबसे अधिक रन के सचिन तेंदुलकर के रिकॉर्ड को तोड़ सकते हैं, साथ ही कहा था कि यह टेस्ट क्रिकेट के लिए लाभप्रद रहेगा। इस पर गावस्कर ने कहा कि अगर यह रिकॉर्ड सचिन के नाम है, तो इसमें क्या दिक्कत है। साथ कहा कि अगर इंग्लैंड कको कोई क्रिकेटर इस रिकार्ड को तोड़ता है तो इससे टेस्ट क्रिकेट को कैसे फायदा होगा ये वॉन बतायें। रूट ने हाल ही में टेस्ट क्रिकेट में शानदार प्रदर्शन करते हुए जमकर रन बनाये हैं। इस बल्लेबाज ने श्रीलंका के खिलाफ लॉर्ड्स टेस्ट की दोनों पारियों में शतक जमाए और 34 शतक लगाकर गावस्कर की बराबरी की। रूट अब टेस्ट क्रिकेट में 12,402 रन बनाकर सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ियों की सूची में छठे स्थान पर आ गए हैं, और उन्होंने इस प्रकार श्रीलंका के पूर्व कप्तान कुमार संगकारा को पीछे छोड़ दिया है। वॉन ने कहा कि रूट के पास सचिन के 15,921 रनों का रिकॉर्ड तोड़ने की क्षमता है और यह टेस्ट क्रिकेट के लिए एक सकारात्मक प्रयास रहेगा।

इसी को लेकर गावस्कर ने कहा कि टेस्ट क्रिकेट में ऐसा क्या गलत हो रहा है जिसे सुधारने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि अगर यह रिकॉर्ड तेंदुलकर के नाम है, तो इसे बदलने की आवश्यकता क्यों है। साथ ही उन्होंने ब्रिटिश मीडिया पर भी निशाना साधते हुए कहा कि यह धारणा बनाई जा रही है कि बीसीसीआई टेस्ट क्रिकेट को पसंद नहीं करता, जबकि भारतीय टीम हर सत्र में अन्य देशों की तुलना में अधिक टेस्ट मैच खेलती है, चाहे वह घरेलू मैदान पर हो या विदेशी दौरों पर।

आईसीसी महिला टी20 विश्व कप जीत सकती है न्यूजीलैंड : मैकमिलन

वेलिंगटन । न्यूजीलैंड महिला क्रिकेट टीम के सहायक कोच क्रेग मैकमिलन का मानना है कि अगले माह संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) में होने वाले आईसीसी महिला टी20 विश्व कप में उनकी टीम जीत की प्रबल दावेदार रहेगी। मैकमिलन के अनुसार उनकी टीम में युवा और अनुभवी दोनो तरह की खिलाड़ी शामिल हैं। न्यूजीलैंड ने टी20 विश्व कप के लिए अपनी 15 सदस्यीय टीम में अनुभवी सूजी बेट्स और सोफी डिवाइन जैसी खिलाड़ी शामिल हैं। ये जोड़ी शीर्ष क्रम में बड़े स्कोर बनाने में अहम भूमिका निभाएगी। कोच के अनुसार यह कीवी टीम की संभावनाओं के लिए महत्वपूर्ण होगा, क्योंकि यह जोड़ी टूर्नामेंट की शुरुआत से ही टूर्नामेंट के हर संस्करण में शामिल रही है। यह जोड़ी दो बार न्यूजीलैंड (2009,2010) के साथ प्रतियोगिता में उपविजेता रही और अन्य दो अवसरों पर सेमीफाइनल तक पहुंची। ऐसे में ये एक बार फिर ट्रॉफी जीतना चाहेंगी। मैकमिलन ने कहा, 'जब वे (डिवाइन और बेट्स) रिटायर हो जाएंगे, तो वे न्यूजीलैंड के लिए खेलने वाले दो सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों में से एक बन जाएंगे। दोनो के लिये यह विश्वकप की ट्रॉफी उठाने का बेहतरीन अवसर है।

मैकमिलन ने कहा, 'मुझे हमारे पास मौजूद अनुभवी खिलाड़ियों से सीखने वाले युवाओं के साथ संतुलन बनान अच्छा लगता है। हमें जो चाहिए वह है कि हर कोई अपनी क्षमता के अनुसार अपना काम करे और अगर ऐसा होता है, तो आप कभी नहीं जान सकते कि विश्व कप के समय क्या हो सकता है। उन्होने कहा, मुझे लगता है कि हमने सीखा है कि दुनिया की शीर्ष टीमों के साथ लगातार प्रतिस्पर्धा करने के लिए किस प्रकार से खेलना होता है। साथ ही कहा कि टीम आजकल विश्वकप के लिए अभ्यास में लगी है।

भारत दौरे से पहले शाकिब की काउंटी में घातक गेंदबाजी

लंदन । भारत के खिलाफ टेस्ट सीरीज से ठीक पहले बांग्लादेश की क्रिकेट टीम के ऑलराउंडर शाकिब अल हसन ने इंग्लैंड में काउंटी क्रिकेट में शानदार खेल दिखाया है। शाकिब ने सरे की ओर से काउंटी चैंपियनशिप खेलते हुए सोमरसेट के खिलाफ पहली पारी में 4 विकेट लिए जबकि दूसरी पारी में 5 विकेट लिए हैं। इससे शाकिब ने दिखाया है कि उन्हें खेलना भारतीय टीम के लिए आसान नहीं रहेगा। इससे पहले शाकिब ने पाक दौरे में भी काफी अच्छा प्रदर्शन किया था। ऐसे में भारतीय टीम के बल्लेबाजों को उनसे सावधान रहना होगा। बांग्लादेश टीम को उम्मीद है कि भारत के खिलाफ भी वह इसी फॉर्म को बनाये रखेंगे। हालांकि भारत के खिलाफ जीत

हासिल करना बांग्लादेश टीम के लिए आसान नहीं होगा क्योंकि भारतीय टीम अभी विश्व में शीर्ष टीमों में शामिल है। इसके बाद भी शाकिब ओरे से कोई कसर नहीं छोड़ना चाहेंगे। शाकिब ने भारत के खिलाफ अपनी तैयारी को और मजबूत करने के लिए ही काउंटी क्रिकेट में भाग लिया है। जहां उनका प्रदर्शन यह दिखाता है कि वह फॉर्म में हैं और भारतीय बल्लेबाजों के लिए चुनौती बन सकते हैं।

आईपीएल के अगले सत्र में मुम्बई के साथ नहीं दिखेंगे रोहित : आकाश चोपड़ा

नई दिल्ली (ईएमएस)। पूर्व क्रिकेटर आकाश चोपड़ा ने कहा है कि रोहित शर्मा आईपीएल के अगले सत्र में मुम्बई इंडियस की ओर से खेलते हुए नहीं दिखेंगे। रोहित को आईपीएल 2024 में मुम्बई इंडियंस की कप्तानी से हटा दिया गया था। वहीं अब माना जा रहा है कि 2025 की मेगा नीलामी से पहले मुंबई उन्हें रिलीज कर सकती है। कप्तानी से हटाये जाने के बाद से ही रोहित का प्रदर्शन भी अच्छा नहीं रहा था। आकाश चोपड़ा ने कहा, यह एक बड़ा सवाल है कि रोहित मुंबई इंडियंस के साथ रहेंगे या नहीं। जहां तक मेरा मानना है कि अब उनका साथ मुंबई इंडियंस से टूटने जा रहा है। मुझे लगता है कि रोहित या तो वह स्वयं ही फ्रेंचाइजी से अलग हो सकते हैं, या मुंबई इंडियंस उन्हें छोड़ सकती है। जो भी खिलाड़ी रिटेन किए जाते हैं, उन्हें अगले तीन साल के लिए टीम के साथ जोड़ा जाता है। पर रोहित को टीम रिटने करेगी ऐसी संभावना नहीं है। चोपड़ा ने साथ ही कहा, हालांकि, मुझे इस बारे में कोई आधिकारिक जानकारी नहीं है, लेकिन यह संभव है कि रोहित को ट्रेड विंडो में किसी अन्य टीम में भेजा जाए। अगर ऐसा नहीं होता है, तो उन्हें नीलामी में भी उतारा जा सकता है। मुंबई इंडियंस के साथ उनका सफर शायद अब आगे

बढ़ने की संभावना नहीं है। वहीं आक्रामक कल्लेबाज सूर्यकुमार यादव के अभी मुंबई इंडियंस में ही रहने की संभावनाएं हैं। वहीं कहा जा रहा है कि सूर्या भी टीम से अलग हो सकते हैं पर चोपड़ा इससे सहमत नहीं हैं। उन्होंने कहा, मुझे नहीं लगता कि सूर्यकुमार को ट्रेड किया जाएगा। मुझे ऐसी कोई जानकारी नहीं है। मेरा मानना है कि मुंबई इंडियंस सूर्या को नहीं छोड़ेगी और न ही सूर्या इस टीम से अलग होंगे।रोहित की कप्तान में मुम्बई ने पांच बार आईपीएल खिताब जीता था पर उनकी जगह पर हार्दिक को कप्तान बनाये जाने से उनके प्रशंसक नाराज हो गये थे।

व्यापार

शेयर बाजार की गिरावट के साथ शुरुआत

सेंसेक्स 150 अंक गिरा, निफ्टी 25,350 पर पहुंचा

नई दिल्ली । बीएसई सेंसेक्स और निफ्टी 50 इंडेक्स ने शुक्रवार को अपने रिकॉर्ड उच्च स्तर के पास से गिरावट के साथ बाजार की शुरुआत की। यह गिरावट थोड़ी ज्यादा महंगाई दर और इंडस्ट्रियल प्रोडक्शन इंडेक्स के उच्च आंकड़े की वजह से हुई। बीएसई सेंसेक्स 79.61 अंक की गिरावट के साथ 82,883.10 पर कारोबार कर रहा है, जबकि निफ्टी 31.55 अंक की गिरावट के साथ 25,357.35 के स्तर पर ट्रेड कर रहा है। भारतीय शेयर बाजार में गुरुवार को शानदार तेजी देखने को मिली। बेंचमार्क इक्विटी इंडेक्स, बीएसई सेंसेक्स और एनएसई निफ्टी 1 प्रतिशत से ज्यादा की बढ़त के साथ रिकॉर्ड हाई पर बंद हुए। 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 1439.55 अंक की बढ़त लेकर 82,962.71 की नई ऊंचाई पर बंद हुआ। वहीं दूसरी तरफ एनएसई निफ्टी 470.45 अंक की बढ़त के साथ 25,388.90 के नए उच्च स्तर पर बंद हुआ। वहीं डॉव जोन्स इंडस्ट्रियल एवरेज 0.58 प्रतिशत की बढ़त के साथ बंद हुआ, एसएंडपी 500 में 0.75 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई, जबकि नैस्डैक कंपोजिट 1 प्रतिशत ऊपर रहा। यह बढ़त मुख्य रूप से टेक्नोलॉजी शेयरों के मजबूत प्रदर्शन की बदौलत हासिल हुई। शुक्रवार सुबह एशिया-प्रशांत क्षेत्र के अधिकांश बाजारों में गिरावट दर्ज की गई। दक्षिण

कोरिया का कोस्पी सूचकांक स्थिर रहा, जबकि स्मॉल कैप कोसडैक मामूली रूप से नीचे रहा। जापान का निक्केई 225 इंडेक्स 0.43 प्रतिशत गिरा, जबकि व्यापक टॉपिक्स इंडेक्स में भी 0.58 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई। ऑस्ट्रेलिया का एसएंडपी, एएसएक्स 200 सूचकांक सबसे अलग रहा और इसमें 0.75 प्रतिशत की बढ़त दर्ज की गई, जिससे यह अपने सर्वकालिक उच्च स्तर 8,148.7 के करीब पहुंच गया। हांगकांग के हैंग सेंग इंडेक्स फ्यूचर्स 17,294 पर थे, जो एचएसआई के अंतिम बंद स्तर 17,240 से अधिक थे। चीन के मुख्य भूमि सीएसआई 300 के फ्यूचर्स 3,176 पर थे, जो गुरुवार को इंडेक्स के पिछले बंद स्तर 3,172.47, जो कि लगभग छह वर्षों का निचला स्तर था, से थोड़ा ही अधिक थे।

देश की मजबूत बुनियाद बताता है आर्थिक वृद्धि परिदृश्य: शक्तिकान्त दास

सिंगापुर। भारतीय रिजर्व बैंक के गवर्नर शक्तिकान्त दास ने ब्रेटन वुड्स कमेटी सिंगापुर द्वारा आयोजित फ्यूचर ऑफ फाइनेंस फोरम 2024 में शुक्रवार को कहा कि भारत का वृद्धि परिदृश्य देश के वृहद आर्थिक बुनियाद की मजबूती को बताता है। उन्होंने कहा कि इसमें निजी उपभोग और निवेश जैसे घरेलू तत्व प्रमुख भूमिका निभा रहे हैं। देश की आर्थिक वृद्धि को वृहत आर्थिक और वित्तीय स्थिरता के माहौल का समर्थन है। भारतीय अर्थव्यवस्था कोविड-19 महामारी के कारण आए गंभीर संकट से उबर गई और इसकी 2021-24 के दौरान औसत वास्तविक सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) की वृद्धि दर आठ प्रतिशत से अधिक रही। चालू वित्त वर्ष 2024-25 के लिए भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने वास्तविक जीडीपी यानी आधार

मूल्य पर वृद्धि दर 7.2 प्रतिशत रहने का अनुमान लगाया है। उन्होंने कहा कि यह वृद्धि दृष्टिकोण भारत के वृहद आर्थिक बुनियाद की ताकत को दिखाता है। इसमें घरेलू तत्व निजी खपत और निवेश प्रमुख भूमिका निभा रहे हैं। दास ने मुद्रास्फीति के बारे में कहा कि यह अप्रैल, 2022 के 7.8 प्रतिशत के उच्च स्तर से घटकर दो से छह प्रतिशत के संतोषजनक दायरे में आ गई है, लेकिन हमें अभी भी एक दूरी तय करनी है और हम दूसरी तरफ देखने का जोखिम नहीं उठा सकते हैं। रिजर्व बैंक के अनुमानों से संकेत मिलता है कि मुद्रास्फीति घटकर 2024-25 में 4.5 प्रतिशत और 2025-26 में 4.1 प्रतिशत हो सकती है। यह 2023-24 में 5.4 प्रतिशत थी। उन्होंने कहा कि उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) पर आधारित खुदरा मुद्रास्फीति लगातार दूसरे महीने अगस्त में रिजर्व बैंक के चार प्रतिशत के औसत लक्ष्य से नीचे 3.65 प्रतिशत पर रही। जुलाई में यह पांच साल के निचले स्तर 3.6 प्रतिशत पर थी। राजकोषीय मजबूती जारी है और मध्यम अवधि में सार्वजनिक ऋण का स्तर घट रहा है। कंपनियों के प्रदर्शन में सुधार हुआ है, जिससे उनके कर्ज में कमी आई है और लाभ के कारण मजबूत वृद्धि संभव हुई है। गवर्नर ने कहा कि भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा विनियमित बैंकों और गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियों का बहीखाता भी मजबूत हुआ है। उन्होंने कहा कि हमारे परीक्षणों से पता चलता है कि ये वित्तीय इकाइयां गंभीर तनाव परिदृश्यों में भी नियामकीय पूंजी और नकदी आवश्यकताओं को बनाए रखने में सक्षम होंगी।

देशभर में फिर बढ़े सोने-चांदी के भाव

सोने के भाव 73,250 रुपए, चांदी 87,800 रुपए के करीब

नई दिल्ली । देश के सराफा बाजारों में शुक्रवार को सोने-चांदी के वायदा भाव में तेजी देखी जा रही है। दोनों के वायदा भाव तेजी के साथ खुले। सोने के वायदा भाव 73,250 रुपये के करीब, जबकि चांदी के वायदा भाव 87,800 रुपये के करीब कारोबार कर रहे थे। अंतरराष्ट्रीय बाजार में भी सोने चांदी के वायदा कारोबार में तेजी देखने को मिल रही है। सोने के वायदा भाव की शुरुआत आज तेजी के साथ हुई। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स)पर सोने का बेंचमार्क अक्टूबर कॉन्ट्रेक्ट 304 रुपये की तेजी के साथ 73,128 रुपये के भाव पर खुला। इस समय यह 416 रुपये की तेजी के साथ 73,240 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। चांदी के वायदा भाव की शुरुआत तेज रही।

एमसीएक्स पर चांदी का बेंचमार्क दिसंबर कॉंट्रेक्ट 511 रुपये की तेजी के साथ 87,606 रुपये पर खुला। इस समय यह 685 रुपये की तेजी के साथ 87,780 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। वैश्विक बाजार में सोने-चांदी के वायदा भाव की शुरुआत तेजी के साथ हुई। कॉमेक्स पर सोना 2,587.50 डॉलर प्रति औंस के भाव पर खुला। पिछला बंद भाव 2,580.60 डॉलर प्रति औंस था। इस यह 12.50 डॉलर की तेजी के साथ 2,593.10 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था। कॉमेक्स पर चांदी के वायदा भाव 30.23 डॉलर के भाव पर खुले, पिछला बंद भाव 30.10 डॉलर था। इस समय यह 0.20 डॉलर की तेजी के साथ 30.3021 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था।

रुपया पांच पैसे बढ़कर

मुंबई । 1 विदेशी बाजार में अमेरिकी मुद्रा के कमजोर होने और विदेशी पूंजी प्रवाह के कारण शुक्रवार को शुरुआती कारोबार में रुपया पांच पैसे बढ़कर 83.91 प्रति डॉलर पर पहुंच गया। विदेशी मुद्रा व्यापारियों ने कहा कि रुपया सीमित दायरे में कारोबार कर रहा है, क्योंकि भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) घरेलू मुद्रा पर मजबूत पकड़ बनाए हुए है। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया शुरुआती कारोबार में 83.92 प्रति डॉलर पर खुला और बाद में कुछ और मजबूती के साथ 83.91 पर पहुंच गया जो पिछले बंद भाव से पांच पैसे की बढ़त है। रुपया गुरुवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले पांच पैसा की मजबूती के साथ 83.96 प्रति डॉलर पर बंद हुआ था। इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की मजबूती को परखने वाला डॉलर सूचकांक 0.30 प्रतिशत की गिरावट के साथ 101.06 अंक पर रहा।

असम से बिहार तक बढ़े पेट्रोल-डीजल के भाव

नई दिल्ली । कच्चे तेल में लगातार गिरावट के बाद अब हल्की तेजी दिखाई दे रही है। वैश्विक बाजार में क्रूड 69.34 डॉलर प्रति बैरल के भाव पर बिक रहा है। वहीं ब्रेंट क्रूड 72.33 डॉलर प्रति बैरल बिक रहा है। कच्चे तेल के भावों का पेट्रोल-डीजल की खुदरा कीमतों पर असर दिखता है। हालांकि, भारत में ईंधन की कीमतों में ज्यादा असर नहीं पड़ा है लेकिन कुछ राज्यों में कीमतों में उतार-चढ़ाव हुआ है। ऑयल मार्केटिंग कंपनियों ने सुबह 6 बजे पेट्रोल-डीजल के दाम अपडेट कर दिए हैं। शुक्रवार को देश के 4 महानगरों में से सिर्फ चेन्नई में पेट्रोल और डीजल क्रमशः 0.23 और 0.22 पैसे महंगा हुआ है। वहीं राज्यों में असम, बिहार, छत्तीसगढ़ और दमन-द्वीप में पेट्रोल-डीजल के दाम बढ़ गए हैं। उधर आंध्र प्रदेश और गोवा समेत कुछ राज्यों में ईंधन की

कीमतें कम हुई हैं। दिल्ली में पेट्रोल 94.72 रुपये और डीजल 87.62 रुपये प्रति लीटर, मुंबई में पेट्रोल 103.44 रुपये और डीजल 89.97 रुपये प्रति लीटर, चेन्नई में पेट्रोल 100.98 रुपये और डीजल 92.56 रुपये प्रति लीटर, कोलकाता में पेट्रोल 104.95 रुपये और डीजल 91.76 रुपये प्रति लीटर है। गौतमबुद्ध नगर में पेट्रोल 94.66 रुपये और डीजल 87.85 रुपये प्रति लीटर हो गया है। गाजियाबाद में पेट्रोल 94.53 रुपये और डीजल 87.70 रुपये प्रति लीटर हो गया है। लखनऊ में पेट्रोल 94.65 रुपये और डीजल 87.76 रुपये प्रति लीटर हो गया है।

हिंदी फिल्मों में फिर से अभिनय करना चाहती है कृति शेट्टी

तलाश रहीं बेहतरीन मौका

ऋतिक रोशन स्टारर फिल्म सुपर 30 की हीरोइन कृति शेट्टी ने बॉलीवुड फिल्मों को लेकर अपना ओपिनियन साझा किया है. एक्ट्रेस का कहना है कि वह और अधिक हिंदी फिल्मों में अभिनय करने के लिए तैयार हैं, क्योंकि वह इस भाषा से सहज हैं. मुंबई में जन्मी और पली-बढ़ी एक्ट्रेस ने 2019 की हिंदी फिल्म में एक अनाम किरदार निभाया था. दो साल बाद, उन्होंने तेलुगू फिल्म उप्पेना के साथ साउथ फिल्म इंडस्ट्री में कदम रखा. उसके बाद से उन्होंने तमिल फिल्मों में अभिनय किया है. वह फिलहाल अपनी डेब्यू मलयालम फिल्म एआरएम की रिलीज का इंतजार कर रही हैं, जिसमें टोविनो थॉमस मुख्य भूमिका में हैं. कृति शेट्टी ने कहा, मुझे नहीं लगता कि यह (सुपर 30) कोई भूमिका थी, मैं बस वहां भीड़ में था. मेरा जन्म और पालन-पोषण मुंबई में हुआ, इसलिए हिंदी मेरे लिए सबसे सहज भाषा है. तमिल, तेलुगु और मलयालम भाषाएं कुछ ऐसी हैं जो मुझे उन फिल्मों में काम करने के दौरान नहीं आती थीं. इसलिए, हिंदी ऑर्गेनिक होगी. परफॉर्मेंस के लिहाज से यह एक मजेदार अनुभव होगा. इसलिए, मैं एक्साइटेड हूं और इसके (हिंदी फिल्मों के) लिए तैयार हूं. एआरएम एक पेन इंडिया फैंटसी ड्रामा है, जो 12 सितंबर को मलयालम, हिंदी, अंग्रेजी, तमिल, तेलुगु और कन्नड़ में बड़े पर्दे पर आएगी. मलयालम भाषा की फिल्म में काम करना शेट्टी के लिए एक गर्मजोशी भरा और प्रेरणादायक अनुभव था. कृति ने कहा, मलयालम सिनेमा में, परफॉर्मेंस के मामले में सब कुछ रॉ, ऑथेंटिक और ऑर्गेनिक होना है. मैं थोड़ा नर्वस थी क्योंकि मैं यह पहली बार कर रही थी. मुझे अच्छा मार्गदर्शन मिला. एक चीज जो मैं हमेशा एक एक्टर के रूप में बनना चाहती थी: मैं रॉ, ऑथेंटिक और छोटा होना चाहती थी, लेकिन हर जगह आपको ऐसा करने के लिए जगह मिलती है. इसलिए, यहां (एआरएम) मेरे पास सही जगह थी. एआरएम का निर्देशन पहली बार फिल्म निर्माता जितिन लाल ने किया है और सुजीत नांबियार ने लिखा है. उत्तरी केरल में 1900, 1950 और 1990 की तीन टाइमलाइन में सेट की गई इस फिल्म में थॉमस मणियन, कुंजिकेलु और अजयन के किरदार निभाते हुए दिखाई देंगे, जिनमें से प्रत्येक अलग-अलग पीढ़ियों के माध्यम से भूमि के खजाने की रक्षा करने की कोशिश करता है. यह थॉमस की 50वीं फिल्म है. निर्देशक ने कहा कि इसकी पहले से कोई भी योजना नहीं थी. लाल ने कहा, हमने इस (फिल्म) पर आठ साल पहले काम करना शुरू किया था. यह आठ साल का सफर रहा है. हमने इसे 50वीं फिल्म की तरह प्लान नहीं किया था, लेकिन यह धीरे-धीरे हुआ. मैं चाहता था कि वह (थॉमस) कुछ अलग करें, इसलिए वह इस फिल्म में ट्रिपल रोल कर रहे हैं.

जूनियर एनटीआर की देवरा पार्ट 1 के ट्रेलर ने मचाया गर्दा

एक घंटे में 10 मिलियन व्यूज का आंकड़ा किया पार

देवरा पार्ट 1 इस साल की सबसे प्रतीक्षित तेलुगू फिल्मों में से एक है. कोरतला शिवा की निर्देशित इस फिल्म में जूनियर एनटीआर, जाह्नवी कपूर और सैफ अली खान अहम भूमिकाओं में हैं. मेकर्स ने फिल्म का ट्रेलर 5 भाषाओं में लॉन्च किया. एक्शन से भरपूर ट्रेलर को दर्शकों और फैंस से बेहतरीन रिस्पॉन्स मिला है. ट्रेलर ने मात्र एक घंटे में 10 मिलियन व्यूज का आंकड़ा पार किया है. मेकर्स ने हाल ही में देवरा पार्ट 1 के ट्रेलर के व्यूज के बारे में अपडेट साझा किया है. मेकर्स इंस्टाग्राम के जरिए जानकारी साझा की है कि देवरा पार्ट 1 के ट्रेलर को 10 मिलियन से ज्यादा व्यूज मिले हैं. मेकर्स ने देवरा का ट्रेलर पांच भाषाओं हिंदी, तेलुगू, तमिल, कन्नड़ और मलयालम लॉन्च किया गया है. ट्रेलर का लॉन्च इवेंट मुंबई में आयोजित किया गया था, जिसमें जूनियर एनटीआर, सैफ अली खान, जाह्नवी कपूर समेत फिल्म मेकर्स शामिल हुए. देवरा के ट्रेलर लॉन्च से जूनियर एनटीआर का एक वीडियो सामने आया है, जिसमें वह फिल्म के बारे में जानकारी साझा करते दिख रहे हैं. जब एक्टर से पूछा गया कि क्या वह किसी एक मुख्य भाग का खुलासा करना चाहेंगे, तो आरआरआर सुपरस्टार जूनियर एनटीआर ने कहा कि वह किसी एक स्टंट या सीक्वेंस का जिक्र नहीं कर सकते, लेकिन उन्होंने वादा किया कि देवरा पार्ट 1 के आखिरी 30-40 मिनट रॉकिंग है. उन्होंने कहा, मैं इसका वेट नहीं कर सकता. उन्हें शार्क स्टंट के बारे में भी बताया. उन्होंने कहा कि उन्हें शॉर्क स्टंट शॉट की शूटिंग से नफरत थी. इस सीन को सही तरीके से शूट करने में पूरा दिन लग गया था. ट्रेलर लॉन्च के मौके पर एनटीआर ने माना कि वह देवरा की रिलीज को लेकर काफी नर्वस हैं, क्योंकि यह लगभग सालों बाद उनकी सोलो फिल्म रिलीज होने जा रही है इससे पहले वह आरआरआर, जो ब्लॉकबस्टर रही, में राम चरण के साथ नजर आए थे. जूनियर एनटीआर, जाह्नवी कपूर और सैफ अली खान के अलावा, फिल्म में प्रकाश राज, श्रीकांत और शाइन टॉम चाको भी मुख्य भूमिकाओं में हैं. फिल्म दो भागों में रिलीज होने वाली है, जिसका पहला भाग 27 सितंबर को आएगा.

रेड 2 की रिलीज डेट का एलान

मेकर्स ने अजय देवगन के साथ बाकी स्टार कास्ट के नाम से उठाया पर्दा

अजय देवगन एक और बहुप्रतीक्षित फिल्म की रिलीज डेट का खुलासा हुआ है. रेड 2 के मेकर्स ने फिल्म की रिलीज डेट का एलान किया है. रेड के सीक्वल में अजय देवगन एक नए दुश्मन से भिड़ते हुए नजर आएंगे. . तरण आदर्श के अनुसार, अजय देवगन, रितेश देशमुख, वाणी कपूर स्टारर रेड 2 की रिलीज डेट तय हो गई है. रेड 2, जिसमें अजय देवगन आईआरएस अधिकारी अमेय पटनायक की भूमिका में हैं. यह फिल्म अगले साल 21 फरवरी 2025 को सिनेमाघरों में आएगी. फिल्म का निर्देशन राजकुमार गुप्ता ने किया है. रितेश देशमुख ने खलनायक की भूमिका निभाई है. फिल्म में वाणी कपूर और रजत कपूर भी हैं. फिल्म को दिल्ली और लखनऊ में बड़े

पैमाने पर फिल्माया गया है. फिल्म भूषण कुमार, कुमार मंगत पाठक, अभिषेक पाठक और कृष्ण कुमार द्वारा निर्मित किया गया है. एक फैन ने लिखा, एक विलेन और मरजावां के बाद रितेश देशमुख फिर से विलेन की भूमिका में. एक अन्य ने लिखा, इतना लेट. बता दें कि जनवरी में अजय ने रेड 2 के सीक्वल की घोषणा की थी. उन्होंने पोस्टर भी शेयर किया था जिसमें लिखा था कि अमय पटनायक वापस आ गए हैं. पहले यह फिल्म 15 नवंबर 2024 को रिलीज होने वाली थी, लेकिन रिलीज की तारीख बदल दी गई है.

पिंक साड़ी में गजब का कहर ढा रहीं जाह्नवी कपूर

कातिलअदाओं ने बढ़ाया इंटरनेट का पारा

बॉलीवुड एक्ट्रेस जाह्नवी कपूर आए दिन अपनी बोल्ड और ग्लैमरस फोटोज इंस्टाग्राम पर साझा करती रहती हैं। वो जब भी अपनी फोटोज इंस्टाग्राम पर पोस्ट करती हैं तो फैंस अक्सर उनकी फोटोज पर अपना दिल हार जाते हैं। हाल ही में एक्ट्रेस जाह्नवी कपूर ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें पोस्ट की हैं, जिसमें वो एक से बढ़कर एक सिजलिंग अदाओं में पोज देती हुई नजर आ रही हैं। एक्ट्रेस जाह्नवी कपूर आए दिन अपनी लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट करती रहती हैं। उनका स्टनिंग अंदाज सोशल मीडिया पर आते ही बवाल मचाने लगता है। अब हाल ही में एक्ट्रेस जाह्नवी कपूर ने अपनी कुछ बेहद ग्लैमरस तस्वीरें इंस्टाग्राम पर शेयर की हैं। इन तस्वीरों में उनका हॉट अवतार देखकर फैंस एक बार फिर से उनकी तारीफ करते नजर आ रहे हैं। जाह्नवी कपूर जब भी अपनी फोटोज इंस्टाग्राम पर पोस्ट करती हैं तो फैंस अक्सर उनके लुक्स पर लाइक्स और कॉमेंट्स के जरिए अपनी-अपनी प्रतिक्रियाएं देते हैं। हालांकि इन फोटोज में भी कुछ ऐसा ही देखने को मिल रहा है। एक यूजर ने फोटोज पर कॉमेंट करते हुए लिखा है- टू मच हॉट। वहीं, दूसरे यूजर ने लिखा है- टू मच प्रीटी। बता दें कि जाह्नवी कपूर जब भी अपनी फोटोज इंस्टाग्राम पर पोस्ट करती हैं तो उनका हर एक स्टाइल फैंस के बीच ट्रेंड करता है। ये ही नहीं उनका हर एक अंदाज देखकर फैंस मंत्रमुग्ध हो जाते हैं। जाह्नवी कपूर सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं। एक्ट्रेस की इंस्टाग्राम पर फैन फॉलोइंग लिस्ट भी काफी जबरदस्त है।

श्रद्धा कपूर की स्त्री 2 नहीं थकने वाली, 27वें दिन भी की करोडों में कमाई

जवान को मात देने से बस इतनी है दूर

राजकुमार राव और श्रद्धा कपूर की 'स्त्री 2 ने सिनेमाघरों में धूम मचाई हुई है. ये फिल्म अब तक एनिमल, पठान, गदर 2 जैसी तमाम बड़ी फिल्मों को पीछे छोड़ चुकी है और सबसे ज्यादा कमाई करने वाली दूसरी हिंदी फिल्म बन चुकी है. चलिए यहां जानते हैं 'स्त्री 2 ने रिलीज के चौथे मंगलवार यानी 27वें दिन कितनी कमाई की है? साल 2018 की सीक्वल 'स्त्री ने बॉक्स ऑफिस पर उम्मीदों से कई गुना ज्यादा शानदार परफॉर्म किया है. रिलीज के पहले दिन से लेकर अब तक 'स्त्री 2 को सिनेमाघरों में खूब दर्शक मिल रहे हैं. खासतौर पर वीकेंड पर फिल्म को देखने के लिए ऑडियंस की भीड़ थिएटर्स में उमड़ पड़ती है. इसी के साथ 'स्त्री 2 करोड़ों में कारोबार कर रही है. साल 2024 की सबसे बड़ी हिट फिल्म बन चुकी 'स्त्री 2 चौथे हफ्ते में भी बमफाड़ कमाई कर रही है और नए बेंचमार्क भी सेट करती जा रही है. फिल्म की कमाई की बात करें तो ट्रेड एनालिस्ट तरण आदर्श द्वारा शेयर किए दए आंकड़ों के मुताबिक 'स्त्री 2 ने पहले हफ्ते में 307.80 करोड़ की कमाई की थी. दूसरे हफ्ते में फिल्म ने 145.80 करोड़, तीसरे वीक में फिल्म ने 72.83 करोड़ की कमाई की. वहीं चौथे शुक्रवार फिल्म ने 4.84 करोड़, चौथे शनिवार 8.77 करोड़ और चौथे रविवार 11.40 करोड़ और चौथे मंडे 3.60 करोड़ का कलेक्शन किया. इसी के साथ 'स्त्री 2 के 26 दिनों की कुल कमाई 555.04 करोड़ रुपये हो गया है. वहीं अब फिल्म की रिलीज के चौथे मंगलवार की कमाई के शुरुआती आंकड़े आ गए हैं. सैकनिल्क की अर्ली ट्रेंड रिपोर्ट के मुताबिक 'स्त्री 2 ने रिलीज के 27वें दिन यानी चौथे मंगलवार को 3 करोड़ का कलेक्शन किया है. इसी के साथ 'स्त्री 2 की 27 दिनों की कुल कमाई अब 558.04 करोड़ रुपये हो गई है. 'स्त्री 2 की कमाई में हर दिन इजाफा होता जा रहा है. ये फिल्म सबसे बड़ा रिकॉर्ड तोडने की ओर बढ़ रही है. दरअसल जिस तरह फिल्म चौथे हफ्ते में भी करोड़ो में कमाई कर रही है उसे देखकर लग रहा कि ये फिल्म हिंदी में 600 करोड़ का क्लब शुरू करने की तैयारी कर रही है. दरअसल अभी तक कोई भी हिंदी फिल्म 600 करोड़ के कल्ब में शामिल नहीं हो पाई है. जवान का लाइफटाइन कलेक्शन 643.87 करोड़ रुपये था लेकिन इसमें तमिल और तेलुगु की कमाई भी शामिल थी. जवान का हिंदी वर्जन में लाइफटाइम कलेक्शन 584 करोड़ था. ऐसे में 'स्त्री 2 की 27 दिनों की कुल कमाई 558 करोड़ हो चुकी है और अब ये जवान के हिंदी वर्जन के रिकॉर्ड को ब्रेक करने से चंद करोड़ ही दूर है. इसके बाद फिल्म 600 के क्लब में एंट्री करके इतिहास भी रच सकती है.

आदर्श गौरव की सुपरबॉयज ऑफ मालेगांव का ट्रेलर जारी, अगले साल सिनेमाघरों में रिलीज होगी फिल्म

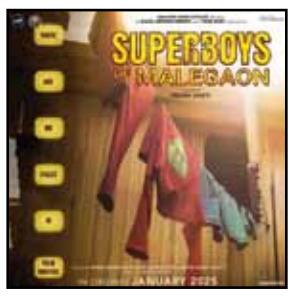

अमेजन एमजीएम स्टूडियो, एक्सेल एंटरटेनमेंट और टाइगर बेबी ने अपनी नई हिंदी फिल्म सुपरबॉयज ऑफ मालेगांव का ट्रेलर रिलीज कर दिया है. महाराष्ट्र के छोटे से शहर मालेगांव में सेट की गई, यह फिल्म नासिर शेख की रीयल लाइफ स्टोरी है और यह दमदार होने के साथ उत्साहित करने वाली कहानी पेश करने गारंटी देती नजर आ रही है. सुपरबॉयज ऑफ मालेगांव को एक्सेल एंटरटेनमेंट और टाइगर बेबी ने प्रोड्यूस किया है, जिसके रितेश सिधवानी, फरहान अख्तर, जोया अख्तर और रीमा कागती प्रोड्यूसर हैं. इसे रीमा कागती ने डायरेक्ट किया है और वरुण ग्रोवर ने इसकी स्क्रिप्ट लिखी है. फिल्म में आदर्श गौरव, विनीत कुमार सिंह और शशांक अरोड़ा लीड रोल में हैं. ट्रेलर मजेदार और दिल को छू लेने वाले पलों से भरा है, जो आपको मालेगांव में रहने वाले नासिर और उसके अनोखे दोस्तों के ग्रुप की जिंदगी से रूबरू कराता है. इस छोटे से शहर में सपने बड़े हैं, दिल खुशी से भरे हुए हैं और सब कुछ मुमकिन लगता है. जैसा कि आप देखेंगे, आप सोचेंगे कि क्या नासिर का बड़ा प्रोजेक्ट उसके सपनों को साकार कर पाएगा और उसके आसपास के लोगों के जीवन में बदलाव ला पाएगा. सुपरबॉयज ऑफ मालेगांव का वर्ल्ड प्रीमियर 13 सितंबर को टोरंटो इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल में होगा. इसे 10 अक्टूबर को बीएफआई लंदन फिल्म फेस्टिवल में भी दिखाया जाएगा. यह फिल्म जनवरी 2025 में सिनेमाघरों में रिलीज होगी. उसके बाद, यह भारत में प्राइम वीडियो और दुनिया भर के 240 देशों और क्षेत्रों में स्ट्रीमिंग के लिए उपलब्ध होगी.